फाल्गुन कृष्ण - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 201 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 15-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करना कोई समाधान नहीं : इरोम शर्मिला

6 क्रूरता की हदें पार करता कॉलेजों में रैगिंग का मामला

7 अनुपम खेर अपनी 544वीं फिल्म में प्रभास के साथ आएंगे नजर

फर्स्ट टेक

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने बांग्लादेश के हालात पर चर्चा की

वाशिंगटन/भाषा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश में हाल के घटनाक्रम के प्रति अपनी चिंताओं से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अवगत कराया और उन्हें बताया कि भारत इस स्थिति को किस रूप में देखता है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार (भारतीय समयानुसार शुक्रवार) को व्हाइट हाउस में मोदी की मेजबानी की। इस दौरान दौरान उन्होंने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। मिसरी ने संवाददाताओं से कहा कि बांग्लादेश की स्थिति दोनों नेताओं के बीच चर्चा का विषय थी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश के घटनाक्रम के बारे में अपने विचार और चिंताओं को साझा किया तथा बताया कि भारत इसे किस रूप में देखता है।

रामगोपाल वर्मा को चेक बाउंस मामले में तीन महीने की जेल की सजा

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक अदालत ने चेक बाउंस के एक मामले में फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा को तीन महीने की जेल की सजा सुनाते हुए कहा कि उन्हें भुगतान करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था और चेक का भुगतान न करने की मंशा से उसे जारी करने की प्रवृत्ति को रोकने के लिए दंड दिया जाना आवश्यक था। अंधेरी न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) वाई. पी. पुजारी ने 21 जनवरी को 'निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट' के तहत वर्मा को दोषी पाया था। शुक्रवार को आदेश की प्रति उपलब्ध कराई गई। अदालत ने वर्मा को शिकायतकर्ता को तीन महीने में 3,72,219 रुपए का भुगतान करने का भी निर्देश दिया था।

नस्ली टिप्पणी के आरोप में एल्विश यादव को एनसीडब्ल्यू ने किया तलब

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने 'मिस अरुणाचल' का खिताब अपने नाम करने वाली और रियलिटी शो 'बिग बॉस' की प्रतिभागी रही चुम दरांग के खिलाफ नस्ली टिप्पणी करने के आरोप में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव को तलब किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एनसीडब्ल्यू ने यादव को सोमवार को उसके समक्ष पेश होने के लिए कहा है। अरुणाचल प्रदेश राज्य महिला आयोग (एपीएससीडब्ल्यू) ने यादव द्वारा दरांग के खिलाफ की गई ''अपमानजनक और नस्ली'' टिप्पणी की 11 फरवरी को कड़ी निंदा की थी। एपीएससीडब्ल्यू की अध्यक्ष केंजुम पकम ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में कहा कि यादव की टिप्पणी न केवल दरांग का अपमान है, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर भारत की महिलाओं का भी अपमान है।

14-02-2025 सूर्यास्त 6:25 बजे	15-02-2025 सूर्योदय 6:41 बजे

BSE	NSE
75,939.21	22,929.25
(-199.76)	(-102.15)

सोना	चांदी
8,975 रु.	98,288 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मोदी-मोदी

है कई लीडर मगर वे,
जनमतों से दूर हैं।
या तो वे काबिल नहीं,
या बस नशे में चूर हैं।
इस सियासी तमस में,
यूं सितारे भरपूर हैं।
किंतु मोदी देश में,
परदेश में मशहूर हैं।।

ट्रंप-मोदी की ऐतिहासिक मुलाकात

भारत को एफ-35 विमानों की आपूर्ति पर बनी सहमति, आतंकवाद और वैश्विक सहयोग पर महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और भी सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और उन्नत तकनीक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं, जो दोनों देशों के बीच साझेदारी को नई ऊंचाई तक पहुंचाएंगे।

एफ-35 की आपूर्ति, आतंकवाद और वैश्विक खतरों के खिलाफ संयुक्त प्रतिबद्धता

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय वायुसेना को अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमान की आपूर्ति की मंजूरी देने की घोषणा की। यह कदम भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाएगा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के संदर्भ में महत्वपूर्ण साबित होगा। एफ-35 विमानों की आपूर्ति से भारतीय वायुसेना की क्षमताओं में वृद्धि होगी और यह दोनों देशों के बीच सामरिक सहयोग को और मजबूत करेगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत का रुख और शांति का संदेश

मोदी और ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध के समाधान पर भी चर्चा की। मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत हमेशा युद्ध के खिलाफ रहा है और शांति के पक्ष में खड़ा है। उन्होंने ट्रंप के शांति प्रयासों का समर्थन करते हुए कहा कि युद्ध का समाधान केवल कूटनीति और वार्ता के माध्यम से ही संभव है। मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भी कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है, और उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए बातचीत की आवश्यकता को दोहराया।

भारत की शांति की ओर प्रतिबद्धता

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत शांति का पक्षधर है और हम युद्ध के समाधान के लिए हमेशा कूटनीति और वार्ता की राह अपनाएंगे। उन्होंने ट्रंप के प्रयासों का स्वागत किया, जिनका उद्देश्य रूस-यूक्रेन संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से हल करना है।

रक्षा, प्रौद्योगिकी और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना

दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। एक महत्वपूर्ण घोषणा में, ट्रंप ने भारत को अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमान की आपूर्ति की अनुमति दी। यह कदम भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाएगा, खासकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के संदर्भ में। एफ-35 विमानों की आपूर्ति से भारतीय वायुसेना की क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी, और यह दोनों देशों के बीच सामरिक सहयोग को और मजबूत करेगा।

मुंबई हमलों के दोषियों को न्याय दिलाने के लिए पाकिस्तान पर दबाव

वैश्विक आतंकवाद के बढ़ते खतरे के बीच, दोनों नेताओं ने सीमा पार आतंकवाद पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। विशेष रूप से, दोनों नेताओं ने 26/11 के मुंबई हमलों के दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया। इस पर ट्रंप ने तहव्वुर राणा, जो कि हमले का मुख्य साजिशकर्ता था, को भारत प्रत्यर्पित करने की घोषणा की। दोनों नेताओं ने आतंकवादी संगठनों जैसे अल-कायदा, आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

अदाणी मामले पर कोई चर्चा नहीं

जब मोदी से अदाणी समूह के खिलाफ चल रहे रिश्वतखोरी के आरोपों पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप के साथ कोई चर्चा नहीं की गई। मोदी ने कहा कि व्यक्तिगत मामलों पर वैश्विक नेताओं के बीच बातचीत नहीं होती है, और ऐसे मुद्दों को द्विपक्षीय वार्ता से बाहर रखा जाता है।

MIGA और MAGA : एक MEGA साझेदारी

प्रधानमंत्री मोदी ने 'MIGA' (Make India Great Again) का नारा दिया, जो ट्रंप के 'MAGA' (Make America Great Again) से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का मिलकर काम करना एक 'MEGA' साझेदारी बनाएगा, जो न केवल दोनों देशों की समृद्धि के लिए बल्कि वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण होगा।

इस दौरान, दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने और चीन के प्रभाव को रोकने के लिए भी अपने विचार साझा किए।

भारत-अमेरिका संबंधों के मजबूत भविष्य की दिशा में

मोदी और ट्रंप दोनों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और अमेरिका के संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए। रक्षा, प्रौद्योगिकी और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त प्रयासों के जरिए यह साझेदारी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में अहम भूमिका निभाएगी।

भारत के मध्यकाल में समुद्र की उपेक्षा की गई, जिससे भारी नुकसान हुआ : कोविंद

भारत की समुद्री गतिविधियों की जड़ें करीब 5,000 साल पुरानी हैं और सिंधु घाटी सभ्यता से जुड़ी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को कहा कि भारत के मध्यकाल में ऐतिहासिक परिस्थितियों के कारण ''समुद्र की उपेक्षा की गई जिससे देश की नौसैन्य ताकत के फीकी पड़ने से ''भारी नुकसान'' हुआ। उन्होंने यहां मानेकशॉ सेंटर में ''थिंक टैंक'' नेशनल मैरीटाइम फाउंडेशन (एनएमएफ) द्वारा आयोजित एक व्याख्यान में कहा कि हालांकि, समुद्र ताकत के नजरिये से इस ''अंधकार युग'' के दौरान भी देश की समुद्री विरासत पूरी तरह नष्ट नहीं हुई।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, भारत की समुद्री विरासत समुद्र के साथ उसके दीर्घकालिक संबंधों का प्रमाण है, जिसमें व्यापार, संस्कृति और नौसैन्य कौशल शामिल हैं। इस समृद्ध विरासत ने हमारे देश के इतिहास और व्यापक विश्व के साथ उसके संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है।

कोविंद ने कहा कि भारत की समुद्री गतिविधियों की जड़ें करीब 5,000 साल पुरानी हैं और सिंधु घाटी सभ्यता से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा, हमारी तटीय विरासत ने हमारी सभ्यता, सामाजिक संस्कृति और आर्थिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दृष्टि से यह विश्वास करना कठिन है कि हमारे मध्यकाल में समुद्र की उपेक्षा की गई।

पूर्व राष्ट्रपति ने इस युग के किसी राजवंश या शासक का नाम लिए बिना कहा कि ''ऐतिहासिक परिस्थितियों'' के कारण समुद्र पर ध्यान नहीं दिया गया। कोविंद ने अफसोस जताते हुए कहा, मध्यकाल के दौरान, विभिन्न साम्राज्यों का बोलबाला था। इनमें से कई शासकों की जड़ें चारों तरफ से भूमि से घिरे क्षेत्रों से जुड़ी थीं और वे विशाल भूक्षेत्र के प्रबंधन पर अधिक ध्यान केंद्रित करते थे। हमारी सामूहिक चेतना ने समुद्र को शक्ति और समृद्धि के मार्ग के रूप में अनदेखी शुरू कर दी। परिणामस्वरूप, धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से हमारी नौसैन्य ताकत फीकी पड़ने लगी।

उन्होंने कहा, एक ऐतिहासिक समुद्री राष्ट्र भारत के लिए यह अवधि...वास्तव में एक विसंगति थी। फिर भी, समुद्री क्षेत्र की इस उपेक्षा ने बहुत बड़ी कीमत चुकाई। यही कारण था कि इतने बड़े भू-साम्राज्य यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों के हाथों में इतनी आसानी से चले गए।

पुलवामा हमले के बाद हवाई हमलों के जरिये आतंकवादियों को दिया गया मुंहतोड़ जवाब : अमित शाह

हल्द्वानी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पुलवामा आतंकवादी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और पाकिस्तान में हवाई हमलों के जरिये आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ की। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आत्मघाती हमलावर ने 14 फरवरी 2019 को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लेथपोरा-पुलवामा में विस्फोटकों से भरी अपनी कार से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के काफिले में शामिल बस में टक्कर मार दी थी, जिससे 40 जवान शहीद हो गए थे। हमले के कुछ दिन बाद भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के अंदर बालाकोट में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों पर बमबारी की थी।

पुलवामा हमले की बरसी पर शाह ने कहा कि जवानों की शहादत ने देश की सीमाओं को सुरक्षित बना दिया है। गृह मंत्री ने हल्द्वानी में 38वें राष्ट्रीय खेलों के समापन पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 2019 में आज ही के दिन पुलवामा में हमारे 40 जवान शहीद हो गए थे। लेकिन उनकी शहादत ने देश की सीमाओं को सुरक्षित बना दिया।

भारत-बांग्लादेश सीमा वार्ता अगले हफ्ते

सुरक्षा और बाड़ मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली/भाषा। भारत और बांग्लादेश के सीमा सुरक्षा बलों के बीच द्विवार्षिक सीमा वार्ता अगले हफ्ते दिल्ली में होगी। 17 से 20 फरवरी तक बीएसएफ मुख्यालय में आयोजित इस बैठक में सीमा पर बाड़ लगाने, बीएसएफ और नागरिकों पर हमलों, और सीमा पार अपराधों को रोकने पर चर्चा होगी। यह वार्ता बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के बाद पहली बार हो रही है। भारतीय पक्ष का नेतृत्व बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी करेंगे, जबकि बांग्लादेश का नेतृत्व मेजर जनरल मोहम्मद अशरफजमां सिद्दीकी करेंगे। बैठक में सीमा पर बुनियादी ढांचे, विश्वास बहाली, और समन्वित सीमा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

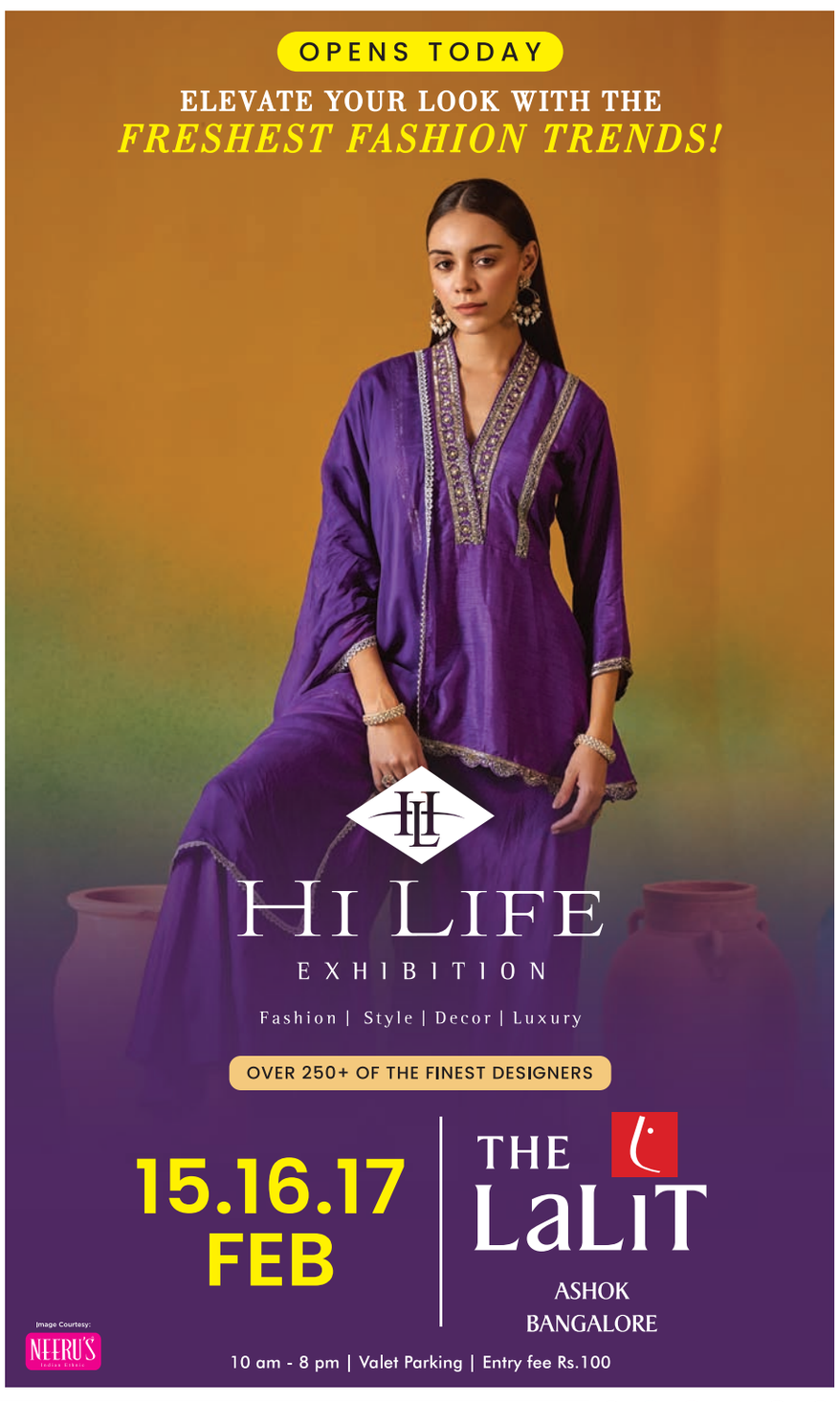

टिप्पणी विवाद : रणवीर इलाहाबादिया की जांच जारी

फ्लैट पर पुलिस ने की छापेमारी, घर पर ताला, इलाहाबादिया लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी के मामले में मुंबई और असम पुलिस ने जांच तेज कर दी है। शुक्रवार को पुलिस की दो टीमें वर्सोवा स्थित इलाहाबादिया के फ्लैट पर पहुंचीं, लेकिन उन्हें ताला लगा हुआ मिला। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि इस सिलसिले में खार पुलिस ने इलाहाबादिया को पहले उपस्थित होने के लिए समन भेजा था, लेकिन वह नहीं पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें शुक्रवार को फिर से बुलाया था।

यह विवादास्पद टिप्पणी इलाहाबादिया ने यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में की थी, जिसमें माता-पिता और यौन संबंधों पर आपत्तिजनक बयान दिए थे। इस पर देशभर में विरोध हुआ और कई स्थानों पर पुलिस में शिकायतें दर्ज कराई गईं। असम पुलिस भी इस मामले की जांच कर रही है, जहां गुवाहाटी

में एक निवासी ने इलाहाबादिया और अन्य शो के मेहमानों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर जल्द होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस मामले में इलाहाबादिया की याचिका पर जल्द सुनवाई करने का निर्णय लिया है। याचिका में इलाहाबादिया ने उनपर दर्ज प्राथमिकियों को चुनौती दी है। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि यह मामला दो-तीन दिन में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। इलाहाबादिया के अधिवक्ता ने इस मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इसे ठुकरा दिया।

इस विवाद के बाद कई अन्य राज्यों में भी पुलिस शिकायतें दर्ज की गई हैं, खासकर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में। महाराष्ट्र साइबर विभाग ने इस मामले की जांच करते हुए यूट्यूब शो के सभी 18 एपिसोड्स को हटाने का आदेश दिया है।

पवित्र स्नान

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला के दौरान गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम पर पवित्र स्नान करने के बाद श्रद्धालु लौटते हुए।

जियोसिनेमा, डिज्नी+ हॉटस्टार मंच का विलय; जियोस्टार ने 'जियोहॉटस्टार' किया पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। वायकॉम18 और स्टार इंडिया के विलय से नवगठित संयुक्त उद्यम जियोस्टार ने जियोसिनेमा और डिज्नी+ हॉटस्टार ऑनलाइन मंच को एक साथ लाकर जियोहॉटस्टार पेश करने की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी बयान के अनुसार, करीब तीन लाख घंटे के मनोरंजन, खेलों के सीधे प्रसारण और 50 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ जियो हॉटस्टार विविध दर्शकों की जरूरतों के अनुरूप आकर्षक सदस्यता योजनाएं प्रदान करता है। इनकी शुरुआती कीमत 149 रुपये से होती है। इसमें कहा गया, जियोसिनेमा और डिज्नी+ हॉटस्टार के मौजूदा ग्राहक आसानी से अपनी वर्तमान सदस्यता (सब्सक्रिप्शन) को जियोहॉटस्टार में सक्रिय कर पाएंगे। जियोस्टार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (डिजिटल) किरण मणि ने कहा, जियोहॉटस्टार का मूल एक प्रभावी दृष्टिकोण है जो बेहतरीन मनोरंजन को सभी भारतीयों के लिए वास्तव में सुलभ बनाएगा। अनंत संभावनाओं का हमारा वादा यह सुनिश्चित करता है कि मनोरंजन अब एक विशेषाधिकार नहीं बल्कि सभी के लिए एक साझा अनुभव है। कंपनी ने कहा, जियो हॉटस्टार हॉलीवुड की सर्वश्रेष्ठ पेशकश करेगा, जिसमें डिज्नी, एनबीसी यूनिवर्सल पीकॉक, वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी एचबीओ और पैरामाउंट शामिल होंगे। यह सभी एक ही मंच पर उपलब्ध होगा। मंच पर अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्रतियोगिताएं, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) जैसी प्रमुख प्रतियोगिताएं प्रसारित की जाएंगी। साथ ही इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग और भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई), आईसीसी और राज्य संघों के कार्यक्रमों के साथ अन्य क्रिकेट प्रतियोगिताएं, प्रीमियर लीग, विंबलडन सहित अन्य खेल आयोजन प्रो कबड्डी तथा इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) जैसी घरेलू प्रतियोगितिओं का भी इस पर प्रसारण किया जाएगा।

जियोस्टार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (खेल) संजोग गुप्ता ने कहा, भारत में खेल सिर्फ खेल मात्र नहीं है... यह जुनून, अभिमान तथा साझा अनुभव है जो लाखों लोगों को एकजुट करता है। जियोहॉटस्टार प्रशंसकों के लिए इनके सीधे प्रसारण के साथ क्रांति ला रहा है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी, पहुंच तथा नवाचार का संयोजन किया गया है।

दिल्ली में भाजपा सरकार के 19-20 फरवरी तक शपथ लेने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 19 या 20 फरवरी को होने की संभावना है और नई सरकार अन्य चीजों के अलावा स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, बेहतर नागरिक बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता देगी। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी।

भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा से वापस आ रहे हैं और जल्द ही भाजपा विधायक दल की बैठक के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

राजौरी गार्डन से विधायक और मुख्यमंत्री या मंत्री पद के दावेदार माने जा रहे सिरसा ने कहा, नई सरकार 19-20 फरवरी के आसपास काम करना शुरू कर देगी।सिरसा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भाजपा विधायक दल की बैठक 18-19 फरवरी के आसपास होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद 20 फरवरी तक नई सरकार का गठन हो जाएगा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के लिए किसी भी तरह की होड़ के संबंध में नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों ने कहा कि ऐसी बातें केवल मीडिया द्वारा की जा रही अटकलें हैं।लक्ष्मी नगर सीट से दूसरी बार विधायक बने अभय वर्मा ने कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के लिए कोई होड़ नहीं है। हमारी पार्टी में विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री या विधायक दल के नेता का चुनाव होता है।

पूर्वांचली नेता वर्मा को भी दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में माना जा रहा है। वर्मा ने कहा, हम लोगों की सेवा करने आए हैं और अब विकास, स्वच्छ जल आपूर्ति और लोगों के लिए स्वच्छ हवा जैसे मुद्दों के साथ-साथ यमुना को प्रदूषण से मुक्त करने के बारे में सोच रहे हैं।

भाजपा विधायकों ने कहा कि प्रधानमंत्री के वादे के अनुसार, आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा ''बाधित'' आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना को नई कैबिनेट की पहली बैठक में दिल्ली में लागू किया जाएगा।

सिरसा ने कहा कि स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना, शहर में स्वच्छता सुनिश्चित करना और वायु और यमुना प्रदूषण से निपटने के लिए काम शुरू करना, सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर नई सरकार की प्राथमिकताएं होंगी।

छठी बार विधायक बने मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि दिल्ली का नया मुख्यमंत्री 48 भाजपा विधायकों में से चुना जाएगा। मुस्तफाबाद के विधायक ने निर्वाचन क्षेत्र का नाम बदलकर 'शिव विहार' या 'शिव पुरी' करने का अपना प्रस्ताव भी दोहराया।

बिष्ट ने कहा, एक समुदाय (अल्पसंख्यक) के करीब 42 प्रतिशत लोग हैं और दूसरी ओर 58 प्रतिशत लोग (हिंदू) हैं... इसलिए, जनता की भावना का सम्मान किया जाना चाहिए।

ब्रिटेन ने टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को मानद 'नाइटहुड' की उपाधि प्रदान की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को ब्रिटेन-भारत व्यापार संबंधों में उनकी सेवाओं के लिए ब्रिटेन द्वारा मानद 'नाइटहुड' से सम्मानित किया गया है। टाटा समूह ने शुक्रवार को बताया कि चंद्रशेखरन को 'ब्रिटिश साम्राज्य का सबसे उत्कृष्ट आदेश (नागरिक खंड) - मानद डीबीई/केबीई' (योद्धा या डेम कमांडर) से सम्मानित किया गया है। समूह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि चंद्रशेखरन को 'ब्रिटेन-भारत व्यापार संबंधों में योगदान के लिए राजा चार्ल्स द्वारा मानद नाइटहुड की उपाधि' प्रदान की गई। इस सम्मान पर चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा समूह को इस बात पर गर्व है कि उसने प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता, होटल, इस्पात, रसायन और वाहन क्षेत्रों में ब्रिटेन के साथ इतना मजबूत रणनीतिक संबंध बनाए रखा है।

उन्होंने कहा, हमें जगुआर लैंड रोवर और टेटली जैसे अपने प्रतिष्ठित ब्रिटिश ब्रांड पर गर्व है। हम ब्रिटेन में 70,000 से अधिक लोगों को रोजगार दे रहे हैं।

बैठक

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू शुक्रवार को थाईलैंड के बैंकॉक में संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन सेंटर में संवाद खत: संघर्ष निवारण और पर्यावरण चेतना के लिए वैश्विक हिंदू बौद्ध पहल के उद्घाटन सत्र में भाग लेने पहुंचे।

सैमसंग ने पेश किया 10,000 रुपये से कम कीमत वाला 5जी स्मार्टफोन

नयी दिल्ली। दक्षिण कोरिया की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने अपने नए 5जी स्मार्टफोन गैलेक्सी 'एफ06 5जी' को पेश किया है। इस स्मार्टफोन को पेश करते हुए कंपनी ने 10,000 रुपये से कम कीमत वाले 5जी स्मार्टफोन खंड में प्रवेश किया है। पिछले दो-तीन महीनों में कई कंपनियों ने 10,000 रुपये से कम मूल्यवर्ग के 5जी स्मार्टफोन पेश किये हैं।

बाघ अभयारण्यों के मुख्य क्षेत्रों से गांवों का 'स्वैच्छिक' स्थानांतरण कराना एक 'प्राथमिकता' : केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एनटीसीए ने कहा है कि वन्यजीव संरक्षण में मदद और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए बाघ अभयारण्यों के मुख्य क्षेत्रों से गांवों का स्वैच्छिक स्थानांतरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की एक बैठक के दौरान, कुछ सदस्यों ने यह भी कहा कि मौजूदा स्वैच्छिक ग्राम पुनर्वास पैकेज मुख्य और महत्वपूर्ण बाघ आवासों में रहने वाले सभी समुदायों के लिए आकर्षक नहीं हो सकता और इसे संशोधित किया जाना चाहिए। एनटीसीए की हालिया बैठक के विवरण के अनुसार, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि बफर और कॉरिडोर क्षेत्रों में कटौती की रणनीतियों के जरिए हरित विकास हासिल किया जाना चाहिए, जबकि बाघ प्रबंधन सिद्धांतों के अनुसार मुख्य व महत्वपूर्ण बाघ आवासों से कोई छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए।

एनटीसीए के अध्यक्ष यादव ने जोर देकर कहा कि बाघ अभयारण्य के मुख्य या महत्वपूर्ण क्षेत्रों से गांवों के स्वैच्छिक स्थानांतरण को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाना चाहिए, ताकि बाघ संरक्षण व समावेशी विकास के लिए दोनों पक्षों को लाभ पहुंचे। और वन क्षेत्रों के अंदर रहने वाले लोगों को मुख्यधारा में लाया जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वैच्छिक स्थानांतरण करते समय वनवासियों की आवश्यकताओं पर विचार किया जाना चाहिए। पिछले वर्ष, भारत के बाघ अभयारण्यों के मुख्य क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदायों के लोगों ने एनटीसीए द्वारा वन अधिकारियों को दिए गए निर्देश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। एनटीसीए ने 54 बाघ अभयारण्यों के मुख्य क्षेत्रों के 591 गांवों के 64,801 परिवारों के पुनर्वास में तेजी लाने के निर्देश दिए गए थे।

गोगोई ने पाकिस्तान उच्चायोग के इशारे पर समुद्री सुरक्षा पर लोकसभा में सवाल पूछे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर अपना हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से संबंध हैं जबकि लोकसभा में विपक्ष के उपनेता ने पाकिस्तान उच्चायोग के इशारे पर समुद्री सुरक्षा पर सदन में सवाल पूछे।

असम के जोरहाट से सांसद गोगोई ने भाजपा पर पलटवार किया और पार्टी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा ने मुझे और मेरे परिवार को बदनाम करने के लिए हद दर्जे का कदम उठाया है। उनके आरोप दुर्भावनापूर्ण और निराधार हैं। मैं उचित कानूनी कार्रवाई करूंगा। भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने आरोप लगाया कि 2013 में गोगोई से शादी करने से पहले एलिजाबेथ कोलबर्न एक 'आईएसआई समर्थक' थीं और उन्होंने पाकिस्तान योजना आयोग के उपाध्यक्ष अली तौकीर शेख के साथ भी काम किया था। उन्होंने सवाल किया, क्या वह उनसे शादी करने से पहले इस बारे में जानते थे?... क्या यह रणनीतिक शादी थी?'' उन्होंने कहा, कांग्रेस को इस मुद्दे पर जवाब देना होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि कांग्रेस का शुरू से ही राष्ट्र विरोधी रुख रहा है।

आलोक ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और गोगोई से मामले पर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि 2014 के संसदीय चुनावों में लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद गोगोई ने लोकसभा अध्यक्ष, गृह मंत्रालय और अन्य संबंधित मंत्रालयों से अनुमति लिए बिना पाकिस्तान उच्चायोग का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी उच्चायोग का दौरा करने के बाद गोगोई के संगठन 'पॉलिसी फॉर यूथ' ने एक अखबार में लेख लिखकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कर्मियों पर एक महिला के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था जो 'बांग्लादेशी घुसैपठिया' थी।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि गोगोई ने लोकसभा में सवाल भी पूछे जैसे कि 'तटीय समुद्री सुरक्षा की स्थिति क्या है? भारतीय तटरेखा पर कितने रडार स्थापित किए गए हैं और हम (सरकार) वहां और कितने रडार स्थापित करना चाहते हैं'? उन्होंने आरोप लगाया कि गोगोई ने लोकसभा में यह भी पूछा था कि क्या कोई प्रस्ताव है कि राष्ट्रीय समुद्री प्राधिकरण तालमेल के लिए हितधारकों के साथ समन्वय करेगा?

आलोक के मुताबिक गोगाई ने यह सवाल भी पूछा था कि सरकार ने निगरानी के साथ-साथ तटीय सुरक्षा को उन्नत और मजबूत बनाने के लिए क्या कदम उठाए हैं? उन्होंने कहा, पाकिस्तानी दूतावास से मिलने के बाद ये सवाल पूछ रहे हैं। यह क्या दर्शाता है? वह किसके साथ यह जानकारी साझा कर रहे थे?'' दो दिन पहले, भाजपा ने गोगोई की पत्नी पर पाकिस्तान और आईएसआई के साथ संबंध होने का आरोप लगाया था, हालांकि लोकसभा में विपक्ष के उपनेता ने इस आरोप को 'हास्यास्पद और मनोरंजक' करार दिया था।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक दिन बाद इस आरोप को दोहराया और दावा किया कि कांग्रेस सांसद ने ब्रिटिश नागरिक से शादी के बाद संवेदनशील रक्षा मामलों पर संसद में सवाल उठाए।

आरबीआई ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के निदेशक मंडल को भंग किया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में खराब संचालन मानकों का हवाला देते हुए इसके निदेशक मंडल को भंग कर दिया। बैंक पर पर कई प्रतिबंध लगाने के एक दिन बाद आरबीआई ने यह कदम उठाया।

आरबीआई की पाबंदियों के बाद शुक्रवार को बैंक की शाखाओं के बाहर ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इन पाबंदियों में बैंक को नए कर्ज जारी करने से रोका गया है और साथ ही बैंक द्वारा ग्राहकों के जमा पैसे को छह महीने तक निकालने पर भी रोक लगा दी गई है। बैंक की 28 शाखाएं हैं, जिनमें से ज्यादातर मुंबई क्षेत्र में स्थित हैं।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि उसने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक श्रीकांत को बैंक के मामलों के प्रबंधन के लिए 'प्रशासक' नियुक्त किया है।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के निदेशक मंडल को 12 महीने के लिए हटा दिया गया है। बैंक ने अपने प्रशासनिक कार्यों को सही तरीके से और प्रभावी रूप से करने के लिए एक 'सलाहकार समिति' बनाई है। इस सलाहकार समिति में दो सदस्य रवींद्र सपरा (पूर्व महाप्रबंधक, एसबीआई) और अभिजीत देशमुख (चार्टर्ड अकाउंटेंट) शामिल हैं।

आरबीआई ने कहा, बैंक में खराब संचालन मानकों से उत्पन्न कुछ चिंताओं के कारण यह कार्रवाई आवश्यक है।

बृहस्पतिवार को आरबीआई ने पर्यवेक्षी चिंताओं के बीच जमाकर्ताओं द्वारा धन निकासी सहित ऋणदाता पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे।

ये प्रतिबंध बृहस्पतिवार को कारोबार बंद होने से लागू हो गए तथा छह महीने की अवधि तक लागू रहेंगे। उसके बाद इनकी समीक्षा की जाएगी।

आरबीआई ने बैंक को यह निर्देश दिया है कि वर्तमान नकदी की स्थिति को देखते हुए वह जमाकर्ताओं के बचत खाते, चालू खाते या किसी भी खाते से पैसे निकालने की अनुमति न दे।

गृह मंत्रालय ने राष्ट्रपति से 'आप' नेता जैन के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का अनुरोध किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच का सामना कर रहे आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राष्ट्रपति से मंजूरी देने का अनुरोध किया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैन (60) के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का अनुरोध किया गया है।

सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने ईडी की जांच और ''पर्याप्त सबूत'' की मौजूदगी के आधार पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह अनुरोध किया है। संघीय एजेंसी ने जैन पर हवाला सौदों से जुड़े धन शोधन के आरोप में मामला दर्ज किया और मई 2022 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने जब जैन को हिरासत में लिया, उस वक्त उनके पास स्वास्थ्य, ऊर्जा और कुछ अन्य विभाग का प्रभार था। जैन फिलहाल जमानत पर जेल से बाहर हैं और ईडी ने उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। धन शोधन का मामला अगस्त 2017 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जैन और अन्य के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा हुआ है।

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय जेएनयू से अधिक 'वामपंथी' है : शांतिश्री पंडित

पुणे/भाषा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. शांतिश्री पंडित का कहना है कि सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय नई दिल्ली स्थित जेएनयू की तुलना में अधिक 'वामपंथी' है, हालांकि हमेशा ऐसा दिखाई नहीं पड़ता। पंडित, जो पहले एसपीपीयू में पढ़ाती थीं, ने कहा कि जेएनयू में काम करना आसान नहीं था और इसके लिए साहस की आवश्यकता थी, हालांकि पुणे विश्वविद्यालय में उनके कार्यकाल ने उन्हें वर्तमान भूमिका में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में मदद की। केंद्र ने उन्हें तीन साल से अधिक समय पहले जेएनयू की कुलपति नियुक्त किया था। पंडित बृहस्पतिवार को यहां महाराष्ट्र शिक्षा सोसायटी द्वारा आयोजित वासुदेव बलवंत फड़के स्मृति व्याख्यानमाला में 'नए युग में भारतीय समाज - अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर व्याख्यान दे रही थीं। पंडित ने कहा कि जब लोग उनसे पूछते हैं कि वह जेएनयू जैसे शैक्षणिक संस्थान को, जिसे वामपंथी गढ़ माना जाता है, इतनी कुशलता से कैसे चला पाती हैं, तो वह एसपीपीयू में अपने कार्यकाल और ''प्रशिक्षण'' का जिक्र करती हैं। वर्ष 2022 में जेएनयू की कुलपति का पद संभालने से पहले वह सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान की प्रोफेसर थीं। वह जेएनयू की कुलपति के रूप में सेवा करने वाली पहली महिला हैं।यह पूछे जाने पर कि महाराष्ट्र में कोई भी विश्वविद्यालय धार्मिक आस्थाओं पर आधारित पाठ्यक्रम क्यों नहीं चलाता, पंडित ने जवाब दिया, वास्तव में धार्मिक आस्था पर आधारित पाठ्यक्रम नहीं है, लेकिन जेएनयू में हिंदू अध्ययन केंद्र, बौद्ध अध्ययन केंद्र और जैन अध्ययन केंद्र हैं।

उद्घाटन

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी लखनऊ में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए।

स्वागत

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

उम्मीद है कि भारतीय प्रवासियों से व्यवहार को लेकर ट्रंप से विरोध जताया होगा : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह बताया होगा कि भारतीय प्रवासियों को बेड़ियों में जकड़कर निर्वासित करना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन से पता चलता है कि दोनों नेताओं के बीच अच्छी मुलाकात हुई। ट्रंप ने भारतीय समयानुसार शुक्रवार सुबह व्हाइट हाउस में वार्ता के लिए प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी की। इस दौरान दोनों ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।

थरूर ने 'इन्वेस्ट कर्नाटक' शिखर सम्मेलन के मौके पर 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''मुझे उम्मीद है कि बंद दरवाजों के पीछे उन्होंने (मोदी) अमेरिकियों से कहा होगा कि आप हमारे लोगों का अपमान नहीं कर सकते। आप उन्हें वापस भेज सकते हैं, वे अवैध हैं, हम उनका खयाल करेंगे, वे हमारे देश से हैं, लेकिन उन्हें बेड़ियों और हथकड़ियों में सैन्य विमान से वापस न भेजें... यह सही नहीं है'...।''

तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि उन्होंने (मोदी) इसे बंद दरवाजे के पीछे कहा है। हम नहीं जानते।'' अमेरिका का एक सैन्य विमान इस महीने की शुरुआत में अमेरिका में ''गैर कानूनी रूप से रह रहे'' 104 भारतीयों को वापस लाया था। निर्वासित लोगों ने दावा किया था कि पूरी यात्रा के दौरान उनके हाथ और पैर बंधे हुए थे और अमृतसर में उतरने के बाद ही उन्हें बेड़ियों से मुक्त किया गया था।

कर्नाटक ने 'स्वच्छ परिवहन नीति 2025-30' पेश की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के. जे. जॉर्ज ने शुक्रवार को इन्वेस्ट कर्नाटक' 2025 के दौरान स्वच्छ परिवहन नीति 2025-2030 पेश की। आधिकारिक बयान के अनुसार, नीति का उद्देश्य कर्नाटक को एशिया के शीर्ष स्वच्छ परिवहन केंद्र के रूप में स्थापित करना है। साथ ही राज्य को टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार परिवहन परिवेश में तब्दील करने तेजी लाना है। नीति का लक्ष्य स्वच्छ परिवहन मूल्य श्रृंखला में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करना है, जिसका मकसद इस क्षेत्र में एक लाख नए रोजगार सृजित करना है। यह कर्नाटक में कुल निवेशित पूंजीगत व्यय पर 25 प्रतिशत तक की सब्सिडी प्रदान करता है। बेंगलूरु शहरी तथा बेंगलूरु ग्रामीण क्षेत्र 20 प्रतिशत पूंजीगत व्यय सब्सिडी के लिए पात्र हैं। राज्य में वर्तमान में 5,403 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन हैं और नीति का लक्ष्य सार्वजनिक-निजी भागीदारी के जरिये अतिरिक्त 2,600 स्टेशन स्थापित करना है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, कर्नाटक के बड़े एवं मझोले उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल और तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर उपस्थित रहे।

एचएएल व आईआईआईटी धारवाड़ ने कौशल विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एयरो इंडिया 2025 कार्यक्रम के अंतिम दिन, हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने घोषणा की है कि एचएएल प्रबंधन अकादमी और धारवाड़ स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान ने उन्नत प्रौद्योगिकियों में उद्योग एवं अकादमिक सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। एचएएल की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया है कि इस साझेदारी से कृत्रिम मेधा, डेटा विज्ञान, 'रोबोटिक्स', एआर/वीआर' और डिजिटल निर्माण जैसे क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान, इंटर्नशिप और तकनीकी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित होगा।

इसमें कहा गया है कि इस समझौता ज्ञापन के तहत, एचएएल अधिकारियों को आईआईआईटी धारवाड़ में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे, जबकि छात्र एचएएल के विभिन्न प्रभागों में इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। बयान में कहा गया है कि सहयोग में संयुक्त कार्यशालाएं, तकनीकी पेपर प्रकाशन और संकाय विनिमय कार्यक्रम भी शामिल हैं। एचएएल के मुख्य प्रबंध निदेशक डीके सुनील एवं कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) एम जी बालासुब्रमण्य की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

दफ्तर की मांग बढ़ने से औसत किराया बढ़ा, बेंगलूरु में सबसे ज्यादा 26 प्रतिशत वृद्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। देश के सात प्रमुख शहरों में दफ्तरों की अधिक मांग के कारण कार्यालयों का औसत किराया बढ़ा है। इसमें बेंगलूरु में पिछले पांच साल में औसत किराया 26 प्रतिशत बढ़कर 93 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह हो गया है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी 'एनारॉक' ने देश के सात प्रमुख संपत्ति बाजारों-दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), कोलकाता, चेन्नई, बेंगलूरु, हैदराबाद और पुणे के आंकड़े शुक्रवार को जारी किए।

इन सात शहरों में बेंगलूरु सबसे आगे है, जहां औसत कार्यालय किराया 26 प्रतिशत बढ़कर 2024 में 93 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह हो गया। साल 2019 में यहां औसत किराया 74 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह था।

हैदराबाद में मासिक कार्यालय किराया 2019 में 56 रुपये प्रति वर्ग फुट से 25 प्रतिशत बढ़कर 2024 में 67 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गया। चेन्नई में कार्यालय स्थल किराया 2019 में 60 रुपये प्रति वर्ग फुट से 20 प्रतिशत की वृद्धि होकर 75 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गया। एनारॉक के प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक पट्टा और परामर्श) पीयूष जैन ने कहा, कार्यालय स्थल की खपत में सबसे अधिक हिस्सेदारी दक्षिणी शहरों बेंगलूरु, हैदराबाद और चेन्नई में देखी गई है। कुशल कार्यबल की उपलब्धता के साथ मजबूत सूचना प्रौद्योगिकी बुनियादी अवसंरचना परिवेश ने इन दक्षिणी शहरों में मांग, आपूर्ति और किराया बढ़ाया है।

दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में कार्यालय स्थल का किराया सबसे कम बढ़ा। यहां किराया 2019 में 78 रुपये प्रति वर्गफुट से 10 प्रतिशत बढ़कर 2024 में 86 रुपये प्रति वर्गफुट हो गया। पुणे में किराया 2024 में 19 प्रतिशत बढ़कर 81 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गया, जो 2019 में 68 रुपये प्रति वर्ग फुट था। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में किराया 13 प्रतिशत बढ़कर 2024 में 140 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गया, जो 2019 में 124 रुपये प्रति वर्ग फुट था। कोलकाता में औसत कार्यालय किराया बढ़कर 62 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह हो गया, जो 2019 में 52 रुपये प्रति वर्ग फुट था। जैन ने कहा, चूंकि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है, वैश्विक कंपनियां विस्तार के लिए वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) स्थापित करने पर विचार करेंगी।

शुक्रवार को बेंगलूरु में 'इन्वेस्ट कर्नाटक 2025' के कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं अन्य।

कर्नाटक वैश्विक स्तर पर निवेश के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहा है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'इन्वेस्ट कर्नाटक 2025' की सफलता को कर्नाटक की ताकत का प्रतिबिंब बताते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आज कहा कि राज्य भारत के अन्य राज्यों या शहरों के साथ निवेश के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहा है। पैलेस ग्राउंड्स में इन्वेस्ट कर्नाटक के पुरस्कार समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा, पिछले चार दिनों में कई निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। निवेशक कर्नाटक पर भरोसा कर सकते हैं, यह कभी विफल नहीं होता। आपने सज्जन जिंदल और आनंद महिंद्रा को राज्य की प्रशंसा

करते सुना होगा।

कर्नाटक में निवेश करना व्यवसायों और देश के हित में है। हमारा लक्ष्य न केवल बेंगलूरु बल्कि राज्य के अन्य हिस्सों को भी विकसित करना है। हमारा राज्य एयरोस्पेस और अन्य उद्योगों में बड़ी छलांग लगा रहा है। एमएसएमई कर्नाटक के लिए एक बड़ी ताकत है। नेहरू के समय में शुरू हुए उद्योग आज बड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे देशों और भारत से बड़ी कंपनियां कर्नाटक में आई हैं और हमारी नीतियों और कारोबारी माहौल में भरोसा जताया है। नई औद्योगिक नीति राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी निवेश को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि मंत्री एचके पाटिल के नेतृत्व में कर्नाटक ने नई पर्यटन नीति की घोषणा की है। नई नीति में क्षेत्र के ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित करते हुए 300 किलोमीटर के तटीय क्षेत्र को विकसित करने की परिकल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि दिवंगत मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा ने देश में पहली बार निवेशकों की बैठक की अवधारणा शुरू की थी। वैश्विक निवेशक बैठक निवेशकों के लिए राज्य में निवेश करने का एक औपचारिक मंच है। हालांकि, राज्य पूरे साल व्यापार के लिए खुला रहता है। हम आपकी सहायता और सेवा के लिए हमेशा उपलब्ध हैं। एमबी पाटिल के नेतृत्व वाली टीम ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अच्छा काम किया है। इन्वेस्ट कर्नाटक 2025 के सफल समापन में शामिल सभी लोगों को उपमुख्यमंत्री ने बधाई दी।

शुक्रवार को बेंगलूरु पैलेस ग्राउंड में आयोजित इन्वेस्ट कर्नाटक 2025 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन समारोह में ग्रीस के पूर्व प्रधानमंत्री जॉर्ज पापांद्रेउ, केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना, पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर, विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी, मंत्री एम बी पाटिल, एच के पाटिल, के जे जॉर्ज, आर बी थिम्मापुर, ईश्वर खांडरे, प्रियांक खरगे, शिवराज तंगड़गी, डॉ एम सी सुधाकर, रहीम खान, मुख्य सचिव डॉ शालिनी रजनीश और अन्य लोग शामिल हुए।

आम लोगों की बुद्धि नौकरशाहों और विशेषज्ञों से कहीं बेहतर है : यूनान के पूर्व प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यूनान के पूर्व प्रधानमंत्री जॉर्ज पापांद्रेउ ने शुक्रवार को कहा कि आम लोगों की बुद्धि अकसर कुछ बेहतरीन नौकरशाहों और विशेषज्ञों से कहीं बेहतर होती है तथा समाज को संकट से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। यहां 'इन्वेस्ट कर्नाटक-2025' शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन 'पैनल' चर्चा में पापांद्रेउ ने अशांति को रोकने के लिए नागरिकों को शिक्षित करने पर जोर दिया और कहा कि समाज को लचीला बनाने के लिए देशों को आम लोगों पर अधिक विश्वास जताने की जरूरत है।

पापांद्रेउ ने स्पष्ट किया, ''मेरा मानना है कि समाज को और अधिक खुला, अधिक लोकतांत्रिक, सहभागी होना चाहिए तथा जहां हम अपने नागरिकों को वास्तव में नागरिक बनने के लिए शिक्षित करें। हम ऐसा बहुत अधिक नहीं करते हैं। हम व्यवसायों के लिए शिक्षा देते हैं, नागरिक बनने के लिए नहीं।'' उन्होंने कहा कि आम लोगों की बुद्धि प्रायः कुछ सर्वश्रेष्ठ नौकरशाहों और विशेषज्ञों से कहीं बेहतर होती है। पापान्द्रेउ ने कहा कि यूनान में जब तानाशाही शासन आया तो उनके पिता और दादा को जेल में डाल दिया गया तथा वह स्वीडन, फ्रांस, कनाडा और ब्रिटेन में निर्वासित हो गए, जिससे उन्हें खानाबदोश जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इस कार्यक्रम में तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संगठन और विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी इसकी शाखाओं की भूमिका पृथ्वी पर हर देश को साझा परिणामों के लिए एक साथ आने का मंच प्रदान करती है। उनके अनुसार, वर्तमान में अमेरिकी बहिष्कार के कारण विश्व व्यापार संगठन का विवाद समाधान तंत्र पंगु हो गया है।

थरूर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने युद्धों को रोकने और शांति स्थापना के लिए बेहतर काम किया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र विश्व का दर्पण है, जो सभी असमानताओं, मतभेदों और विभाजनों को प्रतिबिंबित करता है।

कर्नाटक को 10.26 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले : एम बी पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मध्यम एवं बड़े उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि राज्य को वैश्विक निवेशक सम्मेलन में 10.26 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन निवेश प्रस्तावों से छह लाख नौकरियां सृजित होंगी।

'इन्वेस्ट कर्नाटक-2025' शिखर सम्मेलन के समापन सत्र के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पाटिल ने कहा कि 75 प्रतिशत निवेश बेंगलुरु के बाहर किया जाएगा। पाटिल ने कहा, हमें 10,27,378 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे छह लाख नौकरियां सृजित होंगी। इसमें से 75 प्रतिशत बेंगलूरु से बाहर' हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इनमें से 45 प्रतिशत निवेश उत्तर कर्नाटक में किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि वह और उनका विभाग पिछले छह महीनों से इस आयोजन की तैयारी कर रहे थे। इस दौरान लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने कहा कि विश्व के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं तथा प्रगति के लिए एकता जरूरी है। इस प्रयास के तहत उन्होंने कर्नाटक में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न देशों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में प्रचार-प्रसार किये गये।

पाटिल के अनुसार, सबसे अधिक निवेश नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में आया। इसके लिए 4.26 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव आए। उन्होंने कहा कि विनिर्माण और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रक्षा, वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) जैसे उभरते क्षेत्रों में 1.38 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा।

खाद्य एवं कृषि, वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी उपकरण और रोजमर्रा के घरेलू उत्पाद (एफएमसीजी) सहित सामान्य विनिर्माण क्षेत्र में 1.05 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस्पात और सीमेंट सहित मुख्य विनिर्माण क्षेत्र में राज्य को 1.60 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। शहरी गैस वितरण, दूरसंचार, हवाईअड्डों और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं सहित बुनियादी ढांचे और औद्योगिक लॉजिस्टिक के लिए राज्य को कुल 1.08 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

मंत्री ने कहा कि वैश्विक निवेशक सम्मेलन को समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। मंत्री के अनुसार, कुछ प्रमुख निवेशों में जेएसडब्ल्यू समूह द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, इस्पात और संबद्ध व्यवसायों में 1.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश शामिल है।

बलडोटा स्टील एंड पावर लिमिटेड ने एक एकीकृत इस्पात संयंत्र में 54,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर सहमति जताई है, जबकि लैम रिसर्च 10,000 करोड़ रुपये की लागत से सेमीकंडक्टर उपकरण विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास सुविधा स्थापित करेगी। वोल्वो इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) ट्रकों के निर्माण के लिए 1,400 करोड़ रुपये की इकाई स्थापित करेगी। संवर्धन मदरसन ने विनिर्माण, इंजीनियरिंग और असेंबली सुविधाओं में 3,700 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। एमवी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, राज्य में सौर फोटोवोल्टिक सेल और मॉड्यूल के विनिर्माण में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जबकि आरएसओएलईसी 5,000 करोड़ रुपये के निवेश से सौर इंगोट वेफर विनिर्माण इकाई स्थापित करेगी। महिंद्रा सस्टेन अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं और पर्यटन में 36,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जबकि हीरो फ्यूचर एनर्जीज नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव में 22,200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एप्सिलॉन ग्रुप एनोड और कैथोड सामग्री के विनिर्माण में 15,350 करोड़ रुपये का निवेश करेगा, श्री सीमेंट लिमिटेड 8,350 करोड़ रुपये का एकीकृत संयंत्र और क्लिंकर ग्राइंडिंग इकाई स्थापित करेगा, और श्नाइडर इलेक्ट्रिक विद्युत उत्पादों के विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में 2,247 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

हैवेल्स ने तुमकुरु में अपनी मौजूदा विनिर्माण सुविधा का विस्तार करने तथा 710 करोड़ रुपये के निवेश से बेंगलुरु में एक नई अनुसंधान एवं विकास सुविधा स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सुजलॉन एनर्जी ने पवन ऊर्जा परियोजनाओं और पवन टरबाइन जनरेटर विनिर्माण सुविधाओं में 21,950 करोड़ रुपये का निवेश करने पर सहमति व्यक्त की है, जबकि ईएसआर एडवाइजर्स 2,500 करोड़ रुपये के निवेश से एक औद्योगिक पार्क और डेटा सेंटर विकसित करेगी। टीवीएस मोटर 2,000 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास सुविधा स्थापित करेगी।

कर्नाटक सरकार ने डिजिटल भुगतान उद्योग के लिए फोरेंसिक-संचालित साइबर सुरक्षा समाधान में वैश्विक अग्रणी 'एसआईएसए' के साथ बेंगलूरु में अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एसआईएसए के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दर्शन शांतमूर्ति ने कहा कि तीन वर्षों में 150 करोड़ रुपये मूल्य के इस समझौते का उद्देश्य साइबर सुरक्षा नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देना है, तथा कर्नाटक को डिजिटल भुगतान को सुरक्षित करने में अत्याधुनिक अनुसंधान के केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

द्विवार्षिक आयोजन 'एयरो इंडिया' का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'एयरो इंडिया 2025' के अंतिम दिन शुक्रवार को दर्शकों को हवाई करतबों का बेहतरीन नजारा देखने को मिला। सुबह 10.30 बजे से शुरू हुए शो में रूसी विमान एसयू-57 और अमेरिकी एफ-16, हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड (एचएएल) के एलयूएच, एचटीटी-40, एलसीए एमके-1ए और आईजेटी समेत 10 विमानों ने करतब दिखाए।

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एसयू-30 एमकेआई और प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी), राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला (एनएएल) के हंसा और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के एफटीबी द्वारा संचालित नौ विमान (एचएडब्ल्यूके) भी प्रदर्शन में शामिल थे। दोपहर 2.30 बजे अंतिम हवाई प्रदर्शन में भी 10 विमान शामिल थे। इसमें अमेरिकी एफ-16 के स्थान पर अमेरिकी विमान, केसी-135 को शामिल किया गया। प्रदर्शन में शामिल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने आयोजन की सराहना की।

बोइंग कंपनी के बिजनेस कम्युनिकेशंस के वरिष्ठ प्रबंधक सिद्धांत सिंह चौहान ने कहा कि वह रोमांचित हैं क्योंकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उद्घाटन के दिन बोइंग स्टॉल पर आए थे। चौहान ने कहा कि वह बोइंग की एआई-संचालित प्रस्तुति को मिली प्रतिक्रिया से भी खुश हैं। साइंस-फिक्शन' फिल्म के किसी दृश्य की तरह, लोगों ने सेंसर-सक्रिय पारदर्शी स्क्रीन पर बोइंग के उत्पादों के बारे में जाना। लातविया स्थित सॉफ्टवेयर और विमान डिजाइन कंपनी फिक्सर के सीईओ और संस्थापक वसीली फेनवेट्स ने कहा कि उन्हें हैदराबाद स्थित अक्सी एयरोस्पेस ग्रुप में एक आदर्श साझेदार मिला है।

फेनवेट्स ने कहा कि भागीदार की मदद से वह अपने 'लक्जरी' ड्रोन फिक्सर-007 का उत्पादन बढ़ाने में सक्षम हो सकेंगे, जिससे उन्हें लागत प्रभावी ढंग से मूल्य निर्धारण का लाभ मिलेगा। बेंगलूरु स्थित लॉजिस्टिक्स और निगरानी ड्रोन निर्माता स्कैंड्रोन के संस्थापक और सीईओ अर्जुन नाइक ने एयरो इंडिया 2025 के दौरान 200 किलोग्राम क्षमता वाला अपना लॉजिस्टिक ड्रोन पेश किया। वहीं, सैन्य पोशाकों और एसकेएटी स्मृति चिह्नों को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल आखिरी दिन भी खचाखच भरे रहे। पहले तीन दिन उद्योग जगत के दर्शकों के लिए थे जबकि बृहस्पतिवार और शुक्रवार को आयोजन आम जनता के लिए खुला था। विदेशी मेहमानों, रक्षा मंत्रियों और सेना प्रमुखों सहित 84 देशों के 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने एयरो इंडिया 2025 में भाग लिया। यह द्विवार्षिक शो एशिया का सबसे बड़ा शो बन गया है। इस साल 931 प्रदर्शक शामिल हुए, जिनमें 782 भारतीय शामिल थे। इसमें 58 मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) और 115 वैश्विक सीईओ भी शामिल थे।

इसरो ने ठोस मोटरों के लिए 10 टन का प्रणोदक मिक्सर विकसित किया

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि उसने ठोस मोटरों के लिए 10 टन का प्रणोदक मिक्सर विकसित कर लिया है। इसरो ने एक बयान में कहा कि ठोस प्रणोदन भारतीय अंतरिक्ष परिवहन प्रणालियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और वर्टिकल मिक्सर' ठोस मोटर उत्पादन में महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है। बयान में कहा गया है, ठोस प्रणोदक रॉकेट मोटर्स की रीढ़ हैं और उनके उत्पादन के लिए अत्यधिक संवेदनशील और खतरनाक अवयवों के सटीक मिश्रण की आवश्यकता होती है।''

यौन उत्पीड़न की शिकायत पर आईपीएस अधिकारी निलंबित

चेन्नई। ग्रेटर चेन्नई में महिला पुलिस कांस्टेबल का कथित रूप से यौन उत्पीड़न किए जाने पर यातायात पुलिस के आईपीएस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। महिला पुलिस कांस्टेबल द्वारा पुलिस महानिदेशक से शिकायत किए जाने के बाद भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी और संयुक्त पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात डी. मगेश कुमार को निलंबित कर दिया गया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. एचई-टीआरडी-2024-25-ओटी-27 दिनांक: 10.02.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
1	हुब्बल्लि डिविजन में डीएसडीसी ट्रेनों के संचालन के लिए ओएचई सुधार।	₹50,39,475/-

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: 05.03.2024 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/ट्रैक्शन एंड डिस्ट्रीब्यूशन/हुब्बल्लि

PUB/787/AAD360/PRB/SWR/2024-25

South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना सं. एसडब्ल्यूआर/डब्ल्यू/टीएस/यूएसएफडी/2025/01/ई दिनांक 07.02.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य की मद	अनुमानित मूल्य	पूर्णता अवधि
1.	बेंगलुरु डिविजन में दो वर्षों की अवधि के लिए आरडीएसओ सत्यापित पीएयूटी वेल्ड टेस्टर का उपयोग करके फ्लैश बट 1 वेल्डेड ज्वाइंट्स का चरणबद्ध श्रेणी अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग (पीएयूटी)	रु.4,18,21,800/-	24 माह

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि : 10.03.2025 को 15.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

उप मुख्य अभियंता/ट्रैक प्रोक्योरमेंट/मुख्यालय, हुब्बल्लि

PUB/779/AAD360/PRB/SWR/2024-25

South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने ज्योति कलश रथ यात्रा को ध्वज लहराकर किया रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शुक्रवार को अलवर जिला स्थित जगन्नाथ मंदिर से ज्योति कलश रथ यात्रा की पूजा-अर्चना कर व पुष्प अर्पित कर देश व प्रदेश की खुशहाली की मंगल कामना की तथा रथ यात्रा को ध्वज लहराकर रवाना किया। इस दौरान रथ यात्रा में बडी संख्या में श्रृद्धालुओं ने भाग लिया। वन मंत्री शर्मा ने कहा कि सनातन संस्कृति में धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में धार्मिक सौहार्द के साथ भाईचारे की भावना को बढावा मिलता है। रथ यात्रा जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर त्रिपोलिया, होपसर्कस, पुलिस कंट्रोल रूम होते हुए गायत्री मंदिर पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। उल्लेखनीय है कि ज्योति कलश रथ यात्रा भरतपुर से अलवर गुरूवार को पहुंची थी।

मंत्री शर्मा ने मनुमार्ग स्थित गुरुद्वारे में चल रहे 101वें गुरुमुख सम्मेलन में सम्मिलित होकर महाराज संतरेन डॉ. हरभजन शाह सिंह से आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने पुरुषार्थी समाज द्वारा लगाई गई सेवार्थ प्याऊ में श्रद्धालुओं को जल पिलाकर मानवता की सेवा का संदेश दिया। उन्होंने मातृवन में पहुंचकर अपने प्रतिदिन पौधारोपण के लिए गए संकल्प के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधारोपण करना बेहद आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षित रहेगा तभी प्रकृति का संतुलन बना रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता निभाते हुए अधिकाधिक पौधारोपण करें।

राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों में तापमान में बढ़ोतरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

स्वजयपुर। राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान में दो से पांच डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 33.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य तापमान से 4.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार आगामी तीन-चार दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा तापमान में दो-तीन डिग्री और बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि आगामी दिनों में कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 17 से 20 फरवरी के दौरान राज्य के उत्तरी व पश्चिमी हिस्सों में बादल छाए रहने व कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 6.3 डिग्री और संगरिया में 6.5 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, सीकर में 6.7 डिग्री, करौली में 6.8 डिग्री, दौसा में 7.5 डिग्री, लूणकरणसर में 8.1 डिग्री और माउंट आबू में 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आमजन जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहे : कन्हैयालाल चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहे। जलदाय मंत्री ने शुक्रवार को टोंक जिले के अपने विधानसभा क्षेत्र मालपुरा में जनप्रतिनिधि आपके द्वार के तहत ग्राम तिलांजू, केरवालिया, कलमंडा, डूंगरी कलां, डूंगरी खुर्द, टोरडी एवं अंबापुरा में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को 15 दिवस में इनका निस्तारण करने के निर्देश दिए। चौधरी ने अधिकारियों एवं कार्मिकों से कहा कि वे पुनः मई माह में जनसुनवाई करेंगे। उस दौरान इन समस्याओं की पुनरावृति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से खाद्य सुरक्षा योजना एवं पीएम आवास योजना में नाम जुड़वाने की अपील की।चौधरी ने कहा कि विगत 10 वर्षों में पीएम आवास योजना में इस विधानसभा क्षेत्र में 25 हजार घर बने है। 15 हजार घर और बनाकर इस योजना से गरीब परिवारों को आशियाना उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में 21 फरवरी तक पशुपालकों को बीमा कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मालपुरा के 26 गांवों की पेयजल समस्या को दूर करने के लिए 275 करोड़ रुपए की पेयजल परियोजना के टेंडर कर दिए गए है। आने वाले एक वर्ष में 55 लीटर पेयजल पीने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इसके तहत पेयजल टंकियों का निर्माण, डीआई पाइपलाइन, पेयजल वितरण एवं घर-घर नल कनेक्शन दिया जाएगा। जिससे लोगों की पेयजल समस्या दूर होगी।

जनसुनवाई के दौरान जलदाय मंत्री चौधरी को अलग-अलग ग्रामों से आए ग्रामीणों ने स्थानीय समस्याओं एवं विकास कार्यों के बारे में बताया। जलदाय मंत्री ने सभी विकास कार्यों को चरणबद्ध रूप से करने का भरोसा दिया। इस दौरान जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी तथा कार्मिक मौजूद रहे।

गहलोत को फोन टैपिंग मुद्दे पर प्रतिक्रिया देने का अधिकार नहीं: गजेन्द्रसिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को प्रदेश सरकार में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा द्वारा लगाए गए फोन टैपिंग के आरोपों पर प्रतिक्रिया देने का कोई अधिकार नहीं है। शेखावत ने यहां संवाददाताओं से कहा, किरोड़ी लाल मीणा ने जो बात कही थी उस पर वह अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं और कम से कम पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत या उनकी सरकार में उस समय रहे लोगों को उनके (गहलोत) ओएसडी लोकेश शर्मा द्वारा अदालत में किए गए कबूलनामे के बाद इस तरह की प्रतिक्रियाएं देने का अधिकार नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने मीणा के फोन टैपिंग के आरोपों को लेकर बृहस्पतिवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और कहा कि अनुमति के बिना अगर मीणा का फोन टैप किया गया तो राज्य सरकार ने अपराध किया है।

शेखावत ने संसद में पेश वक्फ बोर्ड विधेयक और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा लगाए गए आरोपों के मुद्दे पर कहा, जिन लोगों ने वक्फ संपत्ति के नाम पर मुसलमानों को लूटा और जिन लोगों ने वक्फ संपत्तियों को अपनी व्यक्तिगत संपत्ति बनाने का पाप किया, निश्चित रूप से उन सबके पेट में दर्द होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, देश के आम नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म से जुड़े हों, उनकी संपत्तियों का संरक्षण हो, सामूहिक संपत्तियों का संरक्षण हो यह सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए यह विधेयक लाया गया है।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रम होंगे आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य सहकारी संघ की वार्षिक आमसभा शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन में आयोजित हुई। आमसभा में संघ को अधिक सशक्त बनाने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई एवं विभिन्न प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। आमसभा को सम्बोधित करते हुए अतिरिक्त रजिस्ट्रार एवं राजस्थान राज्य सहकारी संघ के प्रशासक भोमा राम ने कहा कि संघ राज्य की एक गैर लाभकारी शीर्ष सहकारी संस्था है जिसका उद्देश्य सहकारिता आन्दोलन को मजबूत करना है। संघ द्वारा आयोजित किए जाने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वृद्धि किया जाना अपेक्षित है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा वर्षपर्यंत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें संघ की भी महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए।

भोमा राम ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' योजना के अंतर्गत प्रत्येक सहकारी सदस्य को जागरूक बनाया जा रहा है। देश का हर पांचवां व्यक्ति किसी न किसी रूप में सहकारिता से जुड़ा हुआ है। इस नेटवर्क को और व्यापक बनाये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने 'सहकार से समृद्धि' योजना की 54 पहलों के तहत नई समितियों के गठन, पैक्स कम्प्यूटराइजेशन, एम-पैक्स, गोदाम निर्माण, म्हारो खातो, म्हारो बैंक, एफपीओ और कार्मिक प्रशिक्षण आदि पर जोर दिया।प्रशासक ने कहा कि राजस्थान राज्य सहकारी संघ द्वारा वर्ष 2025 के लिए एक अवधारणा पत्र तैयार किया गया है जिसके अंतर्गत सहकारिता से जुड़े प्रत्येक सदस्य को प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। राज्य में संचालित विभिन्न योजनाओं को सदस्यों तक पहुंचाया जाएगा ताकि इनका लाभ सदस्यों को प्राप्त हो सकें। अतिरिक्त रजिस्ट्रार एवं संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इन्दर सिंह ने कहा कि इस वर्ष प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम गुणवत्तापूर्ण हों, इस पर खास फोकस रहेगा। प्रशिक्षण देने के लिए सहकारिता विभाग के अधिकारियों और निरीक्षकों का चयन किया जाएगा। साथ ही, सहकारी शिक्षा एवं प्रशिक्षण निधि के माध्यम से संघ के लिए पर्याप्त फंड जुटाया जाएगा तथा भामाशाहों का चिह्नीकरण भी किया जाएगा।

इन्दर सिंह ने बताया कि सहकारी शिक्षा एवं प्रशिक्षण निधि के संकलन में वृद्धि की जाएगी। साथ ही, सहकारी संघ में रिक्त 36 पदों को भरा जाएगा। जिला सहकारी संघों को सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि संघ की स्थिति में निरन्तर सुधार होगा।

आमसभा में चित्तौड़गढ़ पीएलडीबी के अध्यक्ष बद्रीलाल जाखड़, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक संजय पाठक, राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक के प्रबंध संचालक जितेन्द्र प्रसाद,जिला सहकारी संघों के अध्यक्ष व प्रशासक एवं जिलास्तरीय सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे तथा अपने सुझाव दिए।

वैज्ञानिकों ने तैयार किया देश का पहला पेसेंट मॉनिटर सिस्टम

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू जिले के पिलानी में संचालित केंद्र सरकार के केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी के वैज्ञानिकों ने देश का पहला पेसेंट मॉनिटर सिस्टम बनाया है जो जल्द ही बाजार में आने वाला है। भारत में बना यह मॉनिटर सिस्टम ना केवल विदेशी मॉनिटर के मुकाबले सस्ता होगा, बल्कि स्मार्ट भी होगा। यही नहीं कार्डियक अरेस्ट जैसे हालातों में भी यह मॉनिटर सिस्टम पूर्वानुमान लगाने में काफी हद तक सहायक सिद्ध होगा। पेसेंट मॉनिटर अस्पतालों में भर्ती मरीजों के बैड के सहारे लगी वो मशीन होती है जिससे मरीज की हालत का आंकलन किया जाता है।

झुंझुनू के पिलानी में संचालित सीरी के वैज्ञानिकों ने इंडिया का पहला पेसेंट मॉनिटर सिस्टम इजाद किया है। जो ना केवल सस्ता है बल्कि स्मार्ट भी होगा।

यह मॉनिटर सिस्टम तकनीक देश की दो-तीन कम्पनियों को दी गई है। जो जल्द ही बाजारों में इसको उतारेगी। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. सत्यम श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक जो बाजार में पेसेंट मॉनिटर सिस्टम उपलब्ध है। उनकी कीमत 50 हजार रूपए तक है। जबकि सीएसआईआर सीरी ने जो सिस्टम बनाया है। उसकी लागत पांच से छह हजार रूपए आई है। इसलिए 10-15 फीसदी कीमत में ही हमने ये पेसेंट मॉनिटर सिस्टम बनाया है।

महाकुंभ में अब तक 50 करोड़ से अधिक लोग लगा चुके डुबकी : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

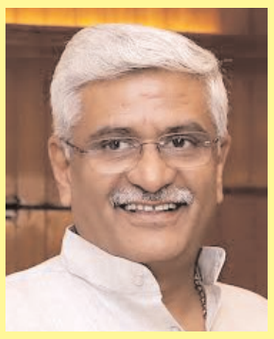

जोधपुर। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में चले रहे महाकुंभ के संगम में अब तक रिकार्ड 50 करोड़ से अधिक लोग डुबकी लगा चुके हैं और आने वाले समय में महाकुंभ की व्यवस्थाओं को एक केस स्टडी के रूप में अध्ययन किया जायेगा।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को यहां अपने निवास पर मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में महाकुंभ में बन रहे रिकार्ड के सवाल पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन महाकुंभ में नया रिकॉर्ड बन रहा है। महाकुंभ में जिस तरह से अब तक लोगों की आवक हुई है, 50 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में आकर संगम में डुबकी लगा चुके हैं। यह अपने आप में विश्व कीर्तिमान है।

उन्होंने कहा मैं जिम्मेदारी के साथ कह सकता हूं, जिस बेहतर तरीके से कुंभ का आयोजन किया गया है। पूरी दुनिया के प्रबंधन क्षेत्र में काम करने वाले लोग, विश्व में एकत्रीकरण, जहां कहीं भी दुनिया में होता है, उसका प्रबंधन करने वाले लोग, आने वाले समय में महाकुंभ की व्यवस्थाओं को एक केस स्टडी के रूप में अध्ययन करेंगे।

महाकुंभ को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान और कांग्रेसी नेताओं के संगम में डुबकी लगाने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह कांग्रेस का चरित्र है। किसी भी विषय पर इस तरह की प्रतिक्रियाएं करना और बाद में उससे भाग जाना। उन्होंने कहा कि कुंभ में लोग अपनी आस्था के साथ में पाप का शमन करने के लिए जाते हैं और कुंभ पर प्रश्न करने वाले लोगों को तो शायद उनके पापों के वैतरणी को पार करने का कोई अवसर भी नहीं मिलेगा।

ऊर्जा संरक्षण के लिए सभी मिलकर करें प्रयास : बागड़े

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने ऊर्जा संरक्षण के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की जरूरत बताते हुए कहा है कि जलवायु संकट के इस दौर में अधिकाधिक पेड़ लगाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। बागड़े शुक्रवार को यहां पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और तेल एवं गैस कंपनियों द्वारा आयोजित संरक्षण क्षमता सक्षम-2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण का मूल मंत्र यही है कि हम आने वाली पीढ़ी के लिए सोचें और उतनी ही ऊर्जा का उपयोग करें जिससे काम चल सकें। उन्होंने पेट्रोल और डीजल में इथेनॉल ऑयल का उपयोग कर उत्सर्जन और तेल आयात कम किए जाने के प्रयासों की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में राज्य और केंद्र सरकारों की अनुदान योजनाओं का अधिकाधिक प्रयास किया जाना चाहिए।

उन्होंने राजस्थान में कुएं, बावड़ियों और पेड़ लगाने की रही परंपरा की चर्चा करते हुए कहा कि धनी वही है जो अधिक से अधिक पेड़ लगाकर आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सौगात दे। उन्होंने कहा कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद पेट्रोलियम उत्पादों का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का घरेलू उत्पादन देश की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने में असक्षम है। हम वर्तमान में कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 80 प्रतिशत से भी ज्यादा आयात करते हैं। इससे बड़ी मात्रा मे विदेशी मुद्रा का व्यय होता है। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में ऊर्जा संरक्षण के साथ वैकल्पिक स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग हमारी प्राथमिकता बने।

उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा में राजस्थान प्रथम स्थान पर है और पवन ऊर्जा में तीसरे स्थान पर होने को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी को मिलकर ऊर्जा के निर्माण और कम से कम उपयोग कर राष्ट्र को तेल, गैस में आत्मनिर्भर किए जाने पर जोर दिया।

सिर्फ दिव्यांग नाम देने से नहीं, उन्हें शिक्षा के अवसर देने के काम आगे बढ़ाए सरकार : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि एक तरफ तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकलांग शब्द को दिव्यांग करवाते हैं और उन्हें सम्मान देने की बात करते हैं और दूसरी तरफ उन्हीं की पार्टी की सरकार राजस्थान में दिव्यांगों के हित में घोषित की गईं दो यूनिवर्सिटी का काम रोक कर बैठी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को संज्ञान लेकर इन दोनों विश्वविद्यालयों का काम जल्द से जल्द आगे बढ़ाना चाहिए।

गहलोत ने यहां जारी एक बयान में कहा कि भारत में उच्च शिक्षा में दिव्यांगों की सहभागिता 5% से भी कम है। तमाम चुनौतियों के कारण दिव्यांग चाहकर भी उच्च शिक्षा में दाखिल नहीं हो पाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने बजट 2022-23 में जयपुर में बाबा आम्टे दिव्यांग यूनिवर्सिटी एवं बजट 2023-24 में जोधपुर में महात्मा गांधी दिव्यांग विश्वविद्यालय की घोषणा की थी। यह नए तरह के विश्वविद्यालय थे इसलिए इनके कोर्स डिजाइन करने एवं अन्य औपचारिकताओं में समय लगना लाजिमी था। इसके लिए जयपुर में यूजीसी में लम्बा अनुभव रखने वाले डॉ देवस्वरूप को एवं जोधपुर में दिव्यांग सेवा में पूरा जीवन लगाने वाली कुसुमलता भंडारी को वाइस चांसलर नियुक्त किया गया था। इसके बाद हमारी सरकार बदल गई।

गहलोत ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा सरकार ने इन दोनों प्रोजेक्टस को अघोषित तरीके से रोक दिया है। कुसुमलता भंडारी लगातार सरकार से उन्हें स्टाफ एवं वित्तीय सहायता देने की मांग करती रहीं पर उन्हें सरकार ने कोई सहायता नहीं दी।

मण्डी समितियों में कार्यरत महिला कामगारों के लिए 'जीवन सुरक्षा मिशन' की होगी शुरूआत

जयपुर/दक्षिण भारत। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाकर ज्यादा से ज्यादा कृषकों को लाभ पहुँचाए। राजन विशाल शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में कृषि विपणन विभाग, विपणन बोर्ड व राजस्थान स्टेट सीड्स कॉरपोरेशन लि0 के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट में हुए एमओयू के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि कृषि के क्षेत्र में कुल 2430 एमओयू हुए हैं जिनमें से 15 प्रतिशत एमओयू क्रियान्वित किये जा चुके है। दैनिक रूप से प्रगति की मॉनिटरींग करके कृषि प्रसंस्करण में निवेश को धरातल पर लाया जा रहा है। जिला स्तरीय अधिकारी निवेशकों से संवाद कर एमओयू के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं को प्राथमिकता से दूर करें। राजन विशाल ने कहा कि विभागीय योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन करके उन्हें समय पर पूरा किया जाये। विभागीय अधिकारी पूर्ण ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए किसानों को योजनाओं का लाभ पहुंचाये। बैठक में उन्होंने विभागों की ई-फाइलिंग, मिशन कर्मयोगी, सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों, मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना, महात्मा ज्योतिबा फूले मण्ड़ी श्रमिक कल्याण योजना, मसाला प्रकोष्ठ एवं कृषक उत्पादक संगठनों की प्रगति की जानकारी ली।

अदाणी पर देश में चुप्पी साधते हैं, विदेश में 'व्यक्तिगत मामला' बताते हैं प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमेरिका में उद्योगपति गौतम अदाणी से जुड़े मामले में की गई टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि विदेश में प्रधानमंत्री मोदी के लिए रिश्वतखोरी और देश की संपत्ति को लूटना व्यक्तिगत मामला बन जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में गौतम अदाणी से जुड़े सवाल पर कहा, भारत एक लोकतंत्र है और हमारी संस्कृति 'वसुधैव कुटुंबकम' की है। हम पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हैं। मेरा मानना है कि हर भारतीय से मेरा नाता है।

मोदी ने कहा कि दो नेताओं के बीच बातचीत में ऐसे व्यक्तिगत मामलों पर चर्चा नहीं की जाती।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश में सवाल पूछो तो चुप्पी, विदेश में पूछो तो निजी मामला। अमेरिका में भी मोदी जी ने अदाणी जी के भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया। उन्होंने आरोप लगाया, जब मित्र की जेब भरना मोदी जी के लिए राष्ट्र निर्माण है, तब रिश्वतखोरी और देश की संपत्ति को लूटना व्यक्तिगत मामला बन जाता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि आखिर 'भ्रष्टाचार' का मामला व्यक्तिगत कब से हो गया? उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी जी के चेहरे का रंग उड़ गया अडानी का नाम सुनते ही, फिर घुमा फिराकर, असंगत ज्ञान देकर बोले कि ये व्यक्तिगत मामला है। भ्रष्टाचार व्यक्तिगत मामला कब से हो गया?''

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करना कोई समाधान नहीं : इरोम शर्मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मानवाधिकार कार्यकर्ता इरोम शर्मिला ने शुक्रवार को दावा किया कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करना ''कोई समाधान नहीं है'' बल्कि राज्य में जारी जातीय हिंसा के लिए ''लोकतांत्रिक जवाबदेही से बचने'' का एक तरीका मात्र है।

शर्मिला ने राज्य में शांति बहाल करने के लिए ''ईमानदार राजनीतिक इच्छाशक्ति'' की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि नए चुनाव ''वास्तविक बदलाव नहीं लाएंगे।

शर्मिला ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत में सुझाव दिया कि मणिपुर के पूर्ववर्ती राजपरिवार के प्रमुख को वर्तमान राज्यपाल के समान शक्तियों के साथ एकता के प्रतीक के रूप में सेवा करने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए।

शर्मिला ने कहा, राष्ट्रपति शासन कोई समाधान नहीं है। मणिपुर के लोग कभी ऐसा नहीं चाहते थे। लेकिन अब जब यह वास्तविकता बन गई है, तो केंद्र को आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए यथास्थिति बहाल करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उद्योगपति मित्रों से निवेश लाना चाहिए ताकि बुनियादी ढांचा और विकास उपलब्ध कराया जा सके। अतीत में जब राष्ट्रपति शासन लगाया गया था, तो वह लोकतांत्रिक जवाबदेही से बचने का एक और तरीका मात्र था। उन्होंने मेइती, नगा और कुकी समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाली तीन अंतर-राज्यीय लघु विधानसभाओं के गठन का प्रस्ताव रखा तथा तर्क दिया कि इस तरह के मॉडल से सभी जातीय समूहों के लिए उचित प्रतिनिधित्व और प्रत्यक्ष वित्त पोषण सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न जातीय समूहों के मूल्यों, सिद्धांतों और प्रथाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। शर्मिला ने दावा किया, भारत अपनी विविधता के लिए जाना जाता है और केंद्र को मणिपुर में भी इसे पहचानना चाहिए और अपनाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि अगर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र या मध्यप्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में भी इसी तरह की जातीय हिंसा होती तो क्या केंद्र चुप रहता। उन्होंने दावा किया, मणिपुर पिछले दो वर्षों से जल रहा है और केंद्र सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि मुंबई या दिल्ली जैसे शहरों में महीनों तक ऐसी स्थिति बनी रहती? सिर्फ इसलिए कि मणिपुर दूर स्थित है, किसी को पूर्वोत्तर की चिंता नहीं है। उग्रवाद से लड़ने के नाम पर करोड़ों रुपए बर्बाद हो जाते हैं, जिसका इस्तेमाल क्षेत्र के विकास के लिए किया जा सकता था।

उच्चतम न्यायालय ने कहा

अदालतें विधायिका को विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकतीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि अदालतें विधायिका को किसी विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकतीं।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फरवरी 2024 के आदेश के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। उच्च न्यायालय ने इस मुद्दे पर एक जनहित याचिका का अपने आदेश में निस्तारण कर दिया था।

पीठ ने याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा, संसद ने हर पहलू पर विचार करने के बाद एक नया अधिनियम बनाया है। रिट अधिकार क्षेत्र में, न तो उच्च न्यायालय और न ही उच्चतम न्यायालय विधायिका को किसी विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश दे सकता है।

जनहित याचिका में जिला अदालतों या पुलिस को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे शिकायतकर्ता या पीड़ित को आरोपपत्र की प्रति निःशुल्क उपलब्ध कराएं।

केंद्र की ओर से पेश हुए वकील ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 230 का हवाला देते हुए कहा कि याचिका निरर्थक है।

केंद्र के वकील ने कहा कि धारा 230 के अनुसार, किसी भी मामले में जहां पुलिस रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही शुरू की गई हो, मजिस्ट्रेट को आरोपी और पीड़ित को पुलिस रिपोर्ट और प्राथमिकी सहित दस्तावेजों की प्रति निःशुल्क उपलब्ध करानी चाहिए।

याचिका में सभी जिला अदालतों को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे संज्ञान लेते समय शिकायतकर्ताओं या पीड़ितों को नोटिस जारी करें ताकि वे सुनवाई कराने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकें और सुनवाई-पूर्व आपराधिक कार्यवाही में भाग ले सकें।

शीर्ष अदालत के फैसले और दंड प्रक्रिया संहिता में संशोधन का हवाला देते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि पीड़ित या शिकायतकर्ता को पर्याप्त अधिकार दिए गए हैं, ताकि वे इच्छुक होने पर सुनवाई पूर्व और सुनवाई की कार्यवाही में प्रभावी रूप से भाग ले सकें।

इसने दिल्ली उच्च न्यायालय के नियमों का भी हवाला दिया और कहा कि यह स्पष्ट है कि आपराधिक मामले में पक्षकार अर्जी देकर मामले के रिकॉर्ड की प्रतियां प्राप्त करने का हकदार है।

आगरा में वैलेंटाइन डे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, पुतला फूंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा (उप्र)/भाषा। अखिल भारत हिंदू महासभा समेत कई हिंदू संगठनों ने वैलेंटाइन डे के विरोध में शुक्रवार को आगरा की सड़कों पर एवं पार्कों में प्रदर्शन किया तथा पुतला जलाया। कार्यकर्ताओं ने वैलेंटाइन डे को पश्चिमी सभ्यता थोपे जाने के रूप में वर्णित करते हुए इसका विरोध किया और विरोध के प्रतीक के रूप में इसका पुतला जलाया।

हिंदू संगठनों का यह विरोध प्रदर्शन सुभाष पार्क से शुरू हुआ, जहां विरोध के प्रतीक के तौर पर 'वैलेंटाइन डे' का पुतला जलाया गया। इसके बाद, कार्यकर्ताओं ने इस दिन से जुड़ी अश्लीलता के खिलाफ विरोध जताया।

प्रदर्शनकारियों में से कुछ के हाथों में लाठियां थीं और वे शहर भर के विभिन्न पार्कों में गए।

अखिल भारत हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा, वेलेंटाइन डे पश्चिमी संस्कृतियों से उधार लिया गया उत्सव है, जिसका हमारी सभ्यता में कोई स्थान नहीं है। इस दिन पार्क अभद्रता के केंद्र बन जाते हैं। हम ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेंगे और ऐसा करने वालों को सबक सिखाएंगे।

गांव में जंगली जहरीला फल खाने से कई बच्चों की तबियत खराब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलरामपुर (उप्र)/भाषा। बलरामपुर जिले के तुलसीपुर तहसील क्षेत्र के एक गांव में जंगली जहरीला फल खाने से करीब 12 बच्चों की तबियत खराब हो गई। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्चों को जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बहराइच जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है।

मुख्य चिकित्साधिकारी मुकेश रस्तोगी ने बताया कि तुलसीपुर तहसील के बिशनपुर गांव में बृहस्पतिवार शाम को खेलते समय करीब 12 बच्चों ने जंगली जहरीला फल खा लिया था, जिसके बाद उल्टी-दस्त होने पर उनकी हालत बिगड़ने लगी। उन्होंने बताया कि हालत बिगड़ने पर बच्चों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बहराइच के लिए रेफर कर दिया गया।

रस्तोगी ने बताया कि बच्चों की हालत फिलहाल स्थिर है।

पुलिस ने पूरे शहर में लगवाए संभल हिंसा के 74 संदिग्धों के पोस्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल में पुलिस ने पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले में संदिग्ध रूप से शामिल 74 लोगों के पोस्टर पूरे शहर में लगवाए हैं। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज में कैद की गई तस्वीरों से बने पोस्टरों को आरोपियों की पहचान करने में मदद के लिए विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शित किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्रीश चंद्र ने संवाददाताओं को बताया, सीसीटीवी में दिख रहे लोग सीधे तौर पर हिंसा में शामिल थे। उनकी पहचान की पुष्टि होनी बाकी है, इसलिए उन्हें पहचानने में जनता की मदद लेने के लिए पोस्टर लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन 74 उपद्रवियों की पहचान करने के लिए विश्वसनीय सुबूत देने वाले मुखबिरों को नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

चंद्र ने कहा कि पोस्टर न केवल संभल के शहरी इलाकों में बल्कि विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भी लगाए गए हैं ताकि लोगों तक अधिक से अधिक लोगों को पहुंचाया जा सके। पुलिस के अनुसार संभल हिंसा मामले में 76 आरोपियों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है।

संभल शहर के कोट गर्वी इलाके में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। इसमें चार नागरिकों की मौत हो गई थी और सुरक्षाकर्मियों सहित कई अन्य घायल हो गए थे।

महाकुंभ नगरः

किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर सहित चार लोगों पर जानलेवा हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। महाकुंभ मेला के अन्न क्षेत्र में बृहस्पतिवार की देर रात किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कल्याणीनंद गिरि और उनके तीन शिष्यों पर अज्ञात लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायल कल्याणीनंद गिरि एवं उनके शिष्यों को मेला क्षेत्र के सेक्टर दो में बने एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कल्याणीनंद गिरि ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, कल रात जब हमलोग अखाड़ा से निकलकर जा रहे थे, तभी छह से अधिक लड़के कार के सामने आए और कार को घेर लिया। उन्होंने पहले किसी धारदार हथियार से मेरे ऊपर हमला किया और शिष्यों द्वारा विरोध करने पर उन पर भी हमला कर दिया। उन्होंने बताया, काफी देर हाथापाई हुई और हमलावर मौका पाकर भाग निकले। इस हमले में मैं और मेरे तीन शिष्य घायल हो गए। हमें 'सेंट्रल अस्पताल' में लाया गया, जहां हमारा इलाज हो रहा है।

कल्याणीनंद गिरि ने बताया कि इस हमले के संबंध में थाना अन्न क्षेत्र में शिकायत की गई है और जल्द प्राथमिकी दर्ज होने की संभावना है।

ममता कुलकर्णी का महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा नामंजूर

महाकुंभ नगर/भाषा। फिल्म जगत से अध्यात्म के क्षेत्र में आईं और हाल में किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा देने वाली ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है और वह किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनी रहेंगी। किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने 'पीटीआई-भाषा' से ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर पद पर बने रहने की पुष्टि की। ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो संदेश में कहा, महामंडलेश्वर पद से मेरा इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया। मैं आभारी हूं कि आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने मुझे इस पद पर बनाए रखा। महामंडलेश्वर बनाने के बाद मैंने जो गुरु को भेंट की थी वह छत्र, छड़ी और चंवर के लिए और उसमें से जो पैसा बचा वह भंडारे के लिए था।

इससे पूर्व 10 फरवरी को ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो जारी कर कहा था ''मैं यमाई ममता नंद गिरि अपने पद से इस्तीफा देती हूं। किन्नर अखाड़े और दूसरे संतों के बीच मुझे महामंडलेश्वर बनाए जाने को लेकर दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा था, 25 साल तपस्या के बाद मुझे यह सम्मान दिया गया था। मैंने देखा कि मुझे महामंडलेश्वर पद दिए जाने से कई लोगों को आपत्ति हुई। मैंने चैतन्य गगन गिरि महाराज के सानिध्य में 25 साल घोर तपस्या की।

राजनाथ और गडकरी की मौजूदगी में चार लेन के दो फ्लाईओवर का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो रहा है और राज्य के हर नागरिक को बेहतर बुनियादी ढांचा और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में चार लेन के दो प्रमुख फ्लाईओवर का उद्घाटन किया।

एक बयान के मुताबिक इनमें 270 करोड़ रुपए की लागत से बना इंदिरा नगर सेक्टर 25 से खुर्रम नगर-कल्याणपुर फ्लाईओवर (तीन किमी) और 170 करोड़ रुपए की लागत से बना पॉलिटेक्निक से मुंशी पुलिया चौराहा फ्लाईओवर (दो किमी) शामिल है।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कुल 588 करोड़ रुपए की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर कहा कि डबल इंजन की सरकार लखनऊ को न केवल एयरो सिटी बल्कि कृत्रिम मेधा (एआई) शहर के रूप में भी विकसित कर रही है।

जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो रहा है और राज्य के हर नागरिक को बेहतर बुनियादी ढांचा और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि लखनऊ को 1000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनायें मिली है, जिसमें 440 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग की दो महत्वपूर्ण परियोजनाएं और करीब 600 करोड़ रुपए की विभिन्न राज्य परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास शामिल है। उन्होंने कहा कि लखनऊ को मेट्रो शहरों की तरह विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन एवं सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश के विकास के लिए हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लखनऊ के समग्र विकास पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर लखनऊ को योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के ऐतिहासिक आयोजन को उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक बताया।

भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हल्द्वानी/भाषा। मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां 38वें राष्ट्रीय खेलों का समापन समारोह के अवसर पर कहा कि भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने अगले मेजबान मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा को ध्वज सौंपने से पहले खेलों के समापन की घोषणा की।

शाह ने अपने संबोधन में 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी का जिक्र करते हुए कहा, मैं आज यह कह सकता हूं कि खेलों में भारत का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। हम 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शाह को स्मृति चिन्ह, शॉल और गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया।

शाह ने यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में आयोजित समारोह में कहा, देव भूमि न केवल राष्ट्रीय खेलों के कारण, बल्कि खेलों में अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेलों की सफल मेजबानी के कारण खेल भूमि में बदल गई है। उन्होंने कहा, मैंने यहां देखा कि राष्ट्रीय खेलों के दौरान बनाए गए कुछ रिकॉर्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं।

शाह और धामी के अलावा जिन अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने समापन समारोह में भाग लिया उनमें केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, मेघालय के मुख्यमंत्री कोंगकल संगमा, उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य, दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम और ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग शामिल हैं। मांडविया ने कहा,, उत्तराखंड ने देश को बताया है कि यह सिर्फ देवभूमि नहीं बल्कि खेलभूमि भी है। राज्य ने सुनिश्चित किया कि खेलों के दौरान किसी भी खिलाडी को कोई कठिनाई न हो। यह भारत के खेल केंद्र बनने की शुरुआत है।

आयोजन स्थल की क्षमता 25,000 है और यह समारोह के लिए खचाखच भरा हुआ था।

मांडविया ने कहा, यह 2036 तक भारत के ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की शुरुआत है। देश में अब एक खेल पारिस्थितिकी तंत्र है। यह खेल सहित हर पहलू में आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर पर उषा ने कहा, सफर यहीं खत्म नहीं होता, यह भारतीय खेलों के लिए सिर्फ शुरुआत है।

दुनिया के कई संघर्ष अतिवादी रुख से उत्पन्न होते हैं, समाधान भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में निहित : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया के कई संघर्ष संतुलित दृष्टिकोण के बजाय अतिवादी रुख अपनाने से उत्पन्न होते हैं और ऐसी चुनौतियों का समाधान भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में निहित है। उन्होंने मध्यम मार्ग अपनाने और अतिवाद से बचने पर बल देते हुए कहा कि संयम का सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

संघर्ष से बचने के लिए थाईलैंड में आयोजित वैश्विक हिंदू-बौद्ध पहल 'संवाद' के चौथे संस्करण को एक वीडियो संदेश के जरिए संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि धम्म के सिद्धांतों में निहित एशिया की साझा परंपरा दुनिया को संकट से जूझने का जवाब देती है। उन्होंने कहा, दुनिया के कई मुद्दे संतुलित दृष्टिकोण के बजाय अतिवादी रुख अपनाने से उत्पन्न होते हैं। अतिवादी दृष्टिकोण संघर्ष, पर्यावरण संकट और यहां तक कि तनाव से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसी चुनौतियों का समाधान भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में निहित है। उन्होंने हमसे मध्यम मार्ग अपनाने और अतिवाद से बचने का आग्रह किया। संयम का सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

मोदी ने कहा कि आज संघर्ष लोगों और राष्ट्रों से आगे बढ़ रहे हैं तथा मानवता प्रकृति के साथ संघर्ष में तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा, इससे पर्यावरण संकट उत्पन्न हो गया है जो हमारी पृथ्वी के लिए खतरा बन गया है। इस चुनौती का जवाब एशिया की साझा परंपराओं में निहित है, जो धम्म के सिद्धांतों में निहित है। हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, शिंटोवाद और अन्य एशियाई परंपराएं हमें प्रकृति के साथ सद्भाव में रहना सिखाती हैं। हम खुद को प्रकृति से अलग नहीं बल्कि उसका एक हिस्सा मानते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज प्रगति के लिए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करते समय हमें भविष्य की पीढ़ियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी पर भी विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि संसाधनों का उपयोग विकास के लिए किया जाए, लालच के लिए नहीं।

यह उल्लेख करते हुए कि संवाद का यह संस्करण एक धार्मिक गोलमेज सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, जिसमें विविध धार्मिक नेता एक साथ आ रहे हैं, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मंच से मूल्यवान अंतर्दृष्टि उभरेगी, जो एक अधिक सामंजस्यपूर्ण दुनिया को आकार देगी। समृद्ध संस्कृति, इतिहास और विरासत के लिए मेजबान देश थाईलैंड की प्रशंसा करते हुए मोदी ने जोर देकर कहा कि थाईलैंड एशिया की साझा दार्शनिक और आध्यात्मिक परंपराओं का एक सुंदर उदाहरण है।

भारत और थाईलैंड के बीच दो हजार वर्षों से भी अधिक समय तक चले गहरे सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि रामायण और रामकियन दोनों देशों को जोड़ते हैं और भगवान बुद्ध के प्रति उनकी श्रद्धा उन्हें एकजुट करती है। बुद्ध का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि संयम का सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है, जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

सुविचार

क्रोध हमेशा मनुष्य को तब आता है जब वह अपने आप को कमज़ोर और हारा हुआ पाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुफ्त की रेवड़ियां कब तक?

चुनावों से पहले 'मुफ्त चीजें' देने के राजनीतिक दलों के वादों का दृढ़ता से विरोध करने की हिम्मत कोई राजनेता तो नहीं जुटा सका, अलबत्ता उच्चतम न्यायालय ने यह कहकर एक जरूरी मुद्दे की ओर सबका ध्यान जरूर दिला दिया कि 'राष्ट्रीय विकास के लिए लोगों को मुख्य धारा में लाने के बजाय क्या हम परजीवियों का एक वर्ग नहीं बना रहे' ...। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा, मुफ्त खाद्यान्न ... सबकुछ मुफ्त देने की होड़ इतनी आगे बढ़ गई है कि अब हर राजनीतिक दल ऐसी लुभावनी घोषणाएं करने में दूसरे को पीछे छोड़ना चाहता है। आज कोई दल अपने चुनाव घोषणापत्र में यह लिखने का साहस नहीं कर सकता कि वोट देकर हमारी सरकार बना दीजिए, हम पहले ही दिन मुफ्त सुविधाओं को बंद कर देंगे। बंद करना तो दूर, अगर कोई यह भी लिख दे कि हम मुफ्त सुविधाओं वाली तमाम योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन करते हुए इनके औचित्य पर विचार करेंगे, तो उसके वोट टूटने तय हैं। ये योजनाएं देश के खजाने पर भारी बोझ डालती हैं। ये भविष्य में अर्थव्यवस्था को किस दिशा में लेकर जाएंगी, इस पर सरकारों और राजनीतिक दलों ने चुप्पी साध रखी है। जो दल जितनी ज्यादा मुफ्त सुविधाएं देने का वादा करता है, वह उतना ही जनकल्याण का पक्षधर समझा जाता है। क्या जनकल्याण का यही एक तरीका है कि करोड़ों-अरबों रुपए या इतने मूल्य की चीजें / सेवाएं लोगों तक मुफ्त पहुंचा दें? इससे लोगों के जीवन में क्या बदलाव आ रहा है? लोगों के दिलो-दिमाग में यह धारणा जड़ जमाती जा रही है कि जो उन्हें सबकुछ मुफ्त दे, वही उनका हितैषी है। यह सोच नई नहीं है। प्राय: पुरानी फिल्मों / कहानियों में अमीरों से धन छीनकर उसका एक हिस्सा गरीबों को मुफ्त में बांट देने वाले शख्स का बहुत महिमा-मंडन होता था। संसाधनों के वितरण का यह तरीका सही नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन कोई इसके विरोध में नहीं बोल पाता था।

पिछली सदी में गरीबों की हालत में सुधार लाने के लिए यह 'अद्भुत विचार' बड़ा मशहूर हुआ था कि अमीरों का धन गरीबों में बांट दिया जाए। आज भी इस विचार के समर्थक मौजूद हैं। क्या गरीबी दूर करने का यह उचित तरीका हो सकता है? अगर इस विचित्र फॉर्मूले को धरातल पर उतार भी दें तो सभी लोगों के हिस्से में जितने रुपए आएंगे, वे कुछ दिनों में खर्च हो जाएंगे। उसके बाद क्या? गरीबी दूर करने, लोगों को सक्षम बनाने, उन्हें भुखमरी, कुपोषण से निजात दिलाने के लिए सरकार को शुरुआत में कुछ मदद जरूर देनी चाहिए। इसके बाद रोजगार सृजन के जरिए उनकी क्रय क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि जीवन में सकारात्मक बदलाव का सिलसिला आगे बढ़ता रहे। अगर आज किसी गरीब परिवार को मुफ्त राशन दिया जा रहा है, लेकिन उसके सदस्यों को न तो कोई हुनर सिखाया जा रहा है और न रोजगार के अवसर पैदा किए जा रहे हैं, तो भविष्य में यह परिवार गरीब ही रहेगा। अगर आज किसी परिवार को मुफ्त बिजली दी जा रही है, लेकिन उसे सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है, तो भविष्य में जैसे ही मुफ्त सुविधा बंद होगी, उस परिवार को बिजली बिल भारी लगेगा। अगर आज सरकारें किसानों के कर्ज माफ कर दें (पूर्व में कई बार कर्जमाफी हुई है) तो भविष्य में किसान दोबारा कर्जदार होंगे, क्योंकि खेती घाटे का सौदा बनी हुई है। सरकारें किसानों की सहायता जरूर करें। इसके साथ ही उन्हें खेती करने के उन्नत तरीकों का प्रशिक्षण भी दें। जब खेती से अच्छी कमाई होने लगेगी तो किसान कर्ज में नहीं डूबेगा। जब 'मुफ्त योजनाओं' पर कैंची चलाने की बात आती है तो जनता की ओर से यह तर्क दिया जाता है कि सांसद, विधायक और अधिकारी भी कई 'मुफ्त सुविधाएं' प्राप्त कर रहे हैं, उनके वेतन-भत्ते बढ़ रहे हैं, इस पर कोई आपत्ति क्यों नहीं करता? इसके लिए जरूरी है कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपने जीवन में सादगी को अपनाकर जनता के लिए आदर्श बनें। महात्मा गांधी को देखकर उस ज़माने के बड़े-बड़े धनपति पैदल चलते थे, अपने हाथ से झाड़ू लगाते थे, खद्दर पहनते और चरखा चलाते थे। जब नेता का जीवन तपस्वी जैसा हो, आदर्श ऊंचा हो तो लोग उनसे प्रेरणा लेकर सुधार के लिए खुशी-खुशी आगे बढ़ते हैं।

ट्वीटर टॉक

पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए माँ भारती के वीर सपूतों के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ। मातृभूमि की सेवा और गौरव की रक्षा करने वाले आप जैसे देश के बहादुर वीर हम भारतवासियों के हृदय में एक दिव्य ज्योत बनकर युगों-युगों तक अमर रहेंगे।

-वसुंधरा राजे

गहलोत साहब को तो फोन टैपिंग के मामले में चर्चा करने का नैतिक अधिकार भी नहीं है। लेकिन उनके ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने दिल्ली न्यायालय में शपथ पूर्वक बयान रजिस्टर्ड कराकर कहा कि फोन टैपिंग हुई थी।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री, असम के पूर्व राज्यपाल, श्री शिवचरण माथुर जी की जयंती पर सादर नमन।अपने लंबे राजनीतिक जीवन में उन्होंने उनके पदों पर रहते हुए प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

असली संपदा

एक राजा सिद्ध और विरक्त संत बाबा गरीबदास जी के दर्शनों के लिए उनकी कुटिया पर पहुंचा। राजा ने उनका अभिवादन करने के बाद कहा, 'महाराज! किसी भी वस्तु की आवश्यकता हो तो बताइए, मैं आपकी सेवा में भिजवा दूंगा।' बाबा राजा के अहंकार को भांप गए। वह बोले, 'तुम्हारे पास अपना क्या है जो मुझे दोगे?' राजा ने कहा, 'ऐसी कौन-सी वस्तु है जो मेरे पास नहीं है। मेरा भंडार धन-धान्य तथा कीमती वस्तुओं से भरा हुआ है।' बाबा बोले, 'राजन, यह तुम्हारा भ्रम है कि धन-धान्य तुम्हारा है। तुम्हारा शरीर और सौंदर्य माता-पिता का दिया हुआ है। धन-धान्य धरती माता का दिया हुआ है। राजपाट भी तुम्हारा नहीं है। प्रजा के कारण ही तुम राजा हो। अतः राजपाट प्रजा का उपहार है। केवल धर्म ही अपनी संपत्ति होता है। धर्म का पालन करते हुए यदि तुम प्रजा की सेवा और रक्षा करोगे तो युगों- युगों तक अमर रहोगे।' संत के मुख से धन-संपत्ति और धर्म का रहस्य जानकर राजा उनके चरणों में गिर पड़े।

सामयिक

शिक्षा, संस्कार, संस्कृति की जनक

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

शिक्षा जीवन के महत्व, संस्कार की संकल्पना को निरूपित करती है वही साक्षरता मनुष्य के संपूर्ण जीवन को अंश मात्र से ही अपना पक्ष रखती हैं। शिक्षा व्यक्ति के संपूर्ण जीवन पद्धति को विकसित करने का जरिया तथा महत्वपूर्ण विकल्प है। जिसके अंतर्गत पढ़ना लिखना समझना चरित्र विकास बौद्धिक मानसिक मनोवैज्ञानिक आध्यात्मिक सभी पहलुओं में गुणात्मक विकास करने के लिए आवश्यक कारक है। सबसे पहले हमें शिक्षा और साक्षरता के मूल अंतर को पहचानना होगा। साक्षरता में संस्कृतिक सभ्यता तथा अन्य माननीय जीवन की कल्पना से इसका कोई संबंध नहीं रह जाता है। साक्षरता सदैव रोजगार मूलक पहलुओं से जुड़ी होती है। जबकि सभ्यता संस्कृति का विकास मानवी शिक्षा से ही संभव हो पाता है। शिक्षा हमें सभ्य होना सिखाती है। इसमें व्यक्ति के मनन, चेतना, सद्बुद्धि और विचारशीलता में वृद्धि करती हैश्र ऐसा भी संभव होता है कि कई वर्षों के अध्ययन से व्यक्ति सभ्य और सुसंस्कृत नहीं हो पाता है। इसीलिए विचारकों ने शिक्षा और संस्कृति को अलग-अलग पैमाने से नापा हैश्र सुसंस्कृत व्यक्ति सदैव संतुलित, शांत एवं नीति निर्णायक बन सकता है। पर कई उदाहरणों में ऐसा भी पाया गया है उच्च शिक्षित व्यक्ति उच्छृंखल हो सकता है। वर्तमान समय में उच्च शिक्षित और ज्यादा पढ़े लिखे अज्ञानियों की संख्या बहुतायत में है। ऐसा ज्यादातर तकनीकी शिक्षा के मामले में देखा गया है, इसीलिए उच्च शिक्षित व्यक्ति जो सद व्यवहार नहीं करता, उन्हें केवल साक्षर मान के शिक्षित व्यक्ति ना माना जाए। शिक्षा और संस्कृति तथा विरासत के मूल्य का आपस में गहरा संबंध है। जबकि साक्षरता का इससे बहुत दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं हैश्र वैसे शिक्षा और संस्कृति के ज्ञान का प्रारंभिक गर्भावस्था से ही हो जाता है, अर्जुन पुत्र अभिमन्यु इस बात के बहुत बड़े उदाहरण है। महात्मा गांधी तथा अब्राहम लिंकन ने मनुष्य के चरित्र निर्माण एवं विकास के लिए माताओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण बताया है।

परिवार की शिक्षा के बाद विद्यालयों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसमें अनुशासन, सहभागिता, समानता एवं नेतृत्व जैसे गुणों का समावेश होता है। पुस्तकों का ज्ञान व्यक्ति एवं व्यक्ति के जीवन में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता है। पर शिक्षक की भूमिका जिंदगी में बड़ी ही प्रेरणादाई होती है। यह कहा जाता कि बिना गुरु ज्ञान नहीं हो सकता है, लोकोक्ति सही भी है, शिक्षकों का मार्गदर्शन खेल खेलने से विकसित होने वाले मूल्य जैसे समूह की भावना, निष्पक्षता, ईमानदारी,साहस की भावना को परिष्कृत करती है।

ऐसे कई उदाहरण हैं की बिना साक्षरता के व्यक्ति पूर्ण रूप से शिक्षित एवं सुसंस्कृत हो सकता है। अपने समय के महान चिंतक फिलासफर सुकरात ने कहा था कि मैं शिक्षित अथवा ज्ञानी इस अर्थ में हूं, कि मैं कुछ नहीं जानता। शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अहंकार, लालच, हिंसा, कटुता आदि को नियंत्रित करने में मदद देती है। पुराण काल में रावण प्रकांड पंडित एवं साक्षर व्यक्ति माना जाता था पर स्त्री के अपहरण में उसका कृत्य अहंकार लालच लिप्सा उसकी साक्षरता को सार्थक नहीं कर पाई। पर आज के संदर्भ में जब आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है, साक्षरता ने शिक्षा की जगह वरीयता प्राप्त करना शुरू कर दिया है। यह माना जाता है जिस व्यक्ति के पास अच्छी नौकरी अच्छा पद और मोटी मोटी तनख्वाह है, उसका समाज ज्यादा ही सम्मान करने लगता है। इन्हीं कारणों से समाज मूल्य तथा संस्कृति के विकास को दरकिनार कर रोजगार मूलक साक्षरता को ही आज वरीयता देता है। और समाज उसे सिर आंखों पर बिठा के रखता है। इससे समाज के दीर्घकालिक सांस्कृतिक मूल्यों का हनन होता है, एवं क्षति भी होती है। और इस प्रक्रिया में साक्षरता पक्ष होने के कारण रोजगार साधन बन जाते हैं। एवं साधनों की परवाह न कर इसकी खुली अवहेलना हो लोग करने लगे हैं ,और इसी कारण शिक्षा के क्षेत्र में नकल, फर्जीवाड़े,धन देकर नौकरी प्राप्त करना आदि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

साक्षर तो घोटालेबाज केतन पारेख हर्षद मेहता एवं कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन भी थे, किंतु इनकी शिक्षा की सार्थकता समाज द्वारा सदैव नापसंद की गई एवं समाज इन्हें हेय दृष्टि से देखने लगा है। आज के संदर्भ में ऐसी शिक्षा या साक्षरता की आवश्यकता है, जो मानव जीवन में मूल्यों का विकास एवं मूल्यों की प्रतिबद्धता विकसित कर सके। जिससे समाजिक गिरते मूल्यों तथा विरासत की अवहेलना ना हो सके। बिना मूल्यों के बिना संस्कृतिक विचारधारा के साक्षर होना ठीक उसी तरह है जैसे किसी बंदर के हाथ में बंदूक या उस्तरा देना है। हमें आज नैतिक साक्षरता देने की आवश्यकता होगी, जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास विरासत की रक्षा तथा मानवीय संवेदनाओं का संपुट हो, जो व्यक्ति को एक अच्छा इंसान बना सकें।

विचार

तार तार हो रही है इंडि गठबंधन की एकता

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

दिल्ली चुनाव के बाद इंडि गठबंधन में दरार चौड़ी होती जा रही है। एनडीए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मिलजुलकर मुकाबला करने के लिए बनाये गए इंडि गठबंधन में शामिल दलों का आपसी मतभेद समय के साथ और भी बढ़ता जा रहा है। दिल्ली चुनावों में इंडि गठबंधन की फूट खुलकर सामने आ गई। संसद के बजट सत्र में कुछ मुद्दों पर एका दिखाने के बाद गठबंधन में शामिल पार्टियों ने अपनी अपनी डफली और अपना अपना राग अलापना शुरु कर दिया है। लोकसभा चुनावों में दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था मगर विधानसभा चुनाव आते आते दोनों पार्टियों का मेल मिलाप तिनके की तरह बिखर गया। दिल्ली की लगभग एक दर्जन सीटों पर कांग्रेस के कारण आम आदमी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में गठबंधन की सभी प्रमुख पार्टियों ने आम आदमी पार्टी को अपना समर्थन दिया था। इंडिया गठबंधन का रिश्ता टूटने के बाद अब दोनों दल एक-दूसरे पर जमकर हमला बोल रहे हैं। आप और कांग्रेस के बीच तनातनी बढ़ गई है। यह रार गठबंधन की बुनियाद को कमजोर कर रही है और इसके टूटने के संकेत दे रही है। आम आदमी पार्टी की तरफ से कांग्रेस पर आरोप लगाया जा रहा है कि कांग्रेस भाजपा के साथ मिलकर काम कर रही है। दोनों सियासी पार्टियां एक-दूसरे को नीचा दिखाने पर तुली रहती हैं। हरियाणा में आप के चलते कांग्रेस को हार मिली, तो दिल्ली में आप को हराने में कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी। इंडिया ब्लॉक में दोनों पार्टी साझेदार है। मगर दिल्ली विधानसभा के चुनावों में दोनों पार्टियों ने एक दूसरे को भ्रष्ट घोषित कर आरोप प्रत्यारोप की झड़ी लगा दी । कांग्रेस और आप के बीच खटास इतनी बढ़ चुकी है कि अब दोनों दल एक-दूसरे पर सियासी हमले करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने अरविन्द केजरीवाल को देशद्रोही करार दिया वहीं संदीप दीक्षित ने भ्रष्टाचारी घोषित करते देर नहीं किया। माकन ने कहा कि अगर केजरीवाल को एक शब्द में परिभाषित करना हो, तो वो शब्द फर्जीवाल होगा। यही नहीं इंडि गठबंधन की अन्य पार्टियों ने भी कांग्रेस को अंगूठा दिखाना शुरु कर दिया। हरियाणा चुनाव के बाद दिल्ली के चुनाव में भी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं हो सका था । कांग्रेस इस बार दिल्ली में अपनी ताकत दिखाना चाहती थी और इसलिए पार्टी ने कई चुनाव क्षेत्रों में आप नेताओं के खिलाफ मजबूत उम्मीदवार उतार दिए मगर कांग्रेस को जीरो हैट्रिक का सामना करना पड़ा। हम तो डूबे सनम मगर तुमको भी ले डूबे कहावत चरितार्थ हो गई। दरअसल गठबंधन में टूट की एक वजह कांग्रेस की महत्वाकांक्षा भी है। लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस अपना जनाधार बढ़ाने में जुटी है। इसी वजह से पार्टी हरियाणा के बाद दिल्ली में अकेले मैदान में उतरी, फलस्वरूप दोनों ही राज्यों में कांग्रेस को सफलता नहीं मिल पाई। कांग्रेस के सहयोगी आरजेडी को 2025 में बिहार तो तृणमूल कांग्रेस को 2026 में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के प्रेशर पॉलिटिक्स का डर सता रहा है। घटक दलों का कहना है कि जिस राज्य में उसके पास जनाधार है, वहां उसे गठबंधन में ड्राइविंग सीट पर बैठने का मौका मिलना चाहिए।

इंडि गठबंधन में शामिल दल लाख दावा करे मगर सच तो यही है कि एकता अब तार तार हो गई है। इससे पूर्व ममता बनर्जी ने इंडि नेतृत्व पर सवाल उठाये तो लालू यादव सरीखों ने ममता को नेतृत्व सौंपने की वकालत की थी। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से ही कांग्रेस अडानी मुद्दे पर काफी आक्रामक रही। विपक्ष के सांसदों ने इस मुद्दे पर संसद भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन भी किया लेकिन एसपी और टीएमसी के सांसद इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए। इसी भांति महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार होने के बाद कांग्रेस ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम पर सवाल उठाए थे। इंडिया गठबंधन के सदस्य और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस के इस रुख की आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि अगर आप ईवीएम के जरिए जीत मिलने पर जश्न मनाते हैं तो कुछ महीनों बाद चुनाव में हारने पर ईवीएम को खारिज नहीं कर सकते हैं। इसी तरह अडानी के मुद्दे पर शरद पवार की एनसीपी और अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी का रुख कांग्रेस से अलग देखा गया। संभल के सवाल पर कांग्रेस और अखिलेश अलग अलग खड़े दिखाई दिए। इसी बीच राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि, इंडिया गठबंधन बनने के दौरान यह तय हो गया था कि यह गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए है, विधानसभा चुनाव के लिए यह गठबंधन नहीं है।

नजरिया

क्रूरता की हदें पार करता कॉलेजों में रैगिंग का मामला

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

कोट्टायम के सरकारी नर्सिंग कॉलेज में रैगिंग की एक बेहद क्रूर घटना सामने आई है, जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना में पांच सीनियर छात्रों ने फर्स्ट ईयर के तीन स्टूडेंट्स के साथ ऐसी अमानवीय हरकतें कीं हैं जो काफी डरावनी हैं। घटनाएं पिछले साल 16 नवंबर को शुरू हुईं और इस साल 10 फरवरी तक जारी रहीं। तिरुवनंतपुरम के रहने वाले तीनों छात्र अपने भविष्य के सपने लेकर कॉलेज पहुंचे थे, लेकिन उनके साथ हुई ये बर्बरता अब सभी को झकझोर रही है। एक खौफनाक वीडियो सामने आया है जिसमें साफ दिख रहा है, छात्रों के साथ कैसे रोंगटे खड़े कर देने वाला बर्बरता किया गया है। इस विचलित करने वाले वीडियो में जूनियर छात्र को दी गई यातना को दिखाया गया है। वीडियो सामने आने के बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि कॉलेजों में रैगिंग जैसे खतरे को रोकने के लिए कानून होने के बावजूद कई परिसरों में रैगिंग का आतंक कैसे जारी है। वीडियो में एक छात्र बिस्तर पर लेटा हुआ दिखाई दे रहा है। उसके हाथ और पैर बिस्तर के सिरों से बंधे हुए हैं और वह दर्द से तड़प रहा है। दूसरा छात्र उसे बार-बार कंपास के नुकीले सिरे से चुभो रहा है। वह दर्द से चिल्ला रहा है। शरीर पर कई चोटें हैं और कथित तौर पर घावों को चुभने के लिए उन पर एक सफेद लोशन डाला गया है।

रैगिंग करने वालों एक आरोप यह भी है कि सीनियर्स ने रविवार को जूनियर्स से शराब खरीदने के लिए पैसे ऐंठे। जो नहीं देते थे, उनकी पिटाई की जाती थी। यह मामला तब सामने आया जब एक छात्र रैगिंग बर्दाश्त नहीं कर सका और उसने अपने पिता के सामने अपनी आपबीती बताई। उसके पिता ने फिर उसे पुलिस से संपर्क करने के लिए कहा। बता दें कि कोट्टयम में रैगिंग की घटना कोच्चि में एक 15 वर्षीय स्कूली छात्र की आत्महत्या की घटना के ठीक बाद हुई है, कथित तौर पर रैगिंग के कारण। मिहिर अहमद की मां राजना पीएम ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे को स्कूल में पीटा गया, गाली दी गई और शौचालय की सीट चाटने के लिए मजबूर किया गया, जिससे वह बहुत परेशान हो गया। गौरतलब है कि हाल में रैगिंग के एक मामले में मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एन वेंकटेश ने दोषी छात्रों को फटकार लगाते हुए कहा कि यदि आप रैगिंग जैसे घृणित कृत्य में लिप्त होंगे, तो आपके कॉलेज आने का क्या लाभ है। बेहतर होगा कि आप अनपढ़ और अशिक्षित ही बने रहें। यदि कोई व्यक्ति किसी को पीड़ा पहुंचा कर आनंद पा रहा है, तो इसका अर्थ है कि वह मनोरोगी है। नवंबर 2023 में पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर में हुई रैगिंग के मामले में गत 22 फरवरी को उच्च न्यायालय ने अनेक निर्देश दिये। कुछ समय पहले रैगिंग के एक मामले में भोपाल की जिला अदालत ने चार छात्राओं को पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई थी।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे ज्यादातर मामले अदालत तक जा नहीं पाते हैं। भोपाल की घटना में पीड़िता ने वरिष्ठ छात्राओं की प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगा ली थी। पीड़ित छात्रा की शिकायत को कॉलेज प्रबंधन ने अनसुना कर दिया था। उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाएं अक्सर प्रकाश में आती रहती हैं, परंतु यदि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद ऐसी घटनाएं घट रही हैं, तो अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को सोचने की आवश्यकता है। संस्थानों के प्रबंधन पर सवाल उठाने के साथ ही यह भी सोचना होगा कि क्या हम अपने बच्चों में अच्छे संस्कार डालने की ईमानदार कोशिश कर रहे हैं।

रैगिंग झेल रहे छात्र दोहरे शारीरिक एवं मानसिक शोषण के शिकार होते हैं। रैगिंग एक मनोवैज्ञानिक समस्या है। रैगिंग लेने वाले सीनियर छात्र अपने साथ हुआ बुरा व्यवहार जूनियर छात्रों पर दोहराना चाहते हैं। साथ ही, सीनियर छात्रों में अपने को बड़ा सिद्ध करने एवं रौब झाड़ने की प्रवृति काम करती है। रैगिंग के पीड़ित जूनियर छात्रों पर मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ता है और वे स्वयं को अपमानित महसूस करते हैं। ऐसे अनेक छात्र आत्महत्या भी कर लेते हैं। इस मनोवैज्ञानिक समस्या को मनोवैज्ञानिक रूप से हल करने की आवश्यकता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि रैगिंग

रोकने लिए नियम-कानूनों का पालन ही न किया जाए। दोषी छात्रों के साथ सख्ती से निपटना चाहिए। रैगिंग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई से जहां सीनियर छात्रों को नया सबक मिलेगा, वहीं जूनियर छात्रों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। कुछ बुद्धिजीवियों का मानना है कि ऐसे मामलों में बहुत कड़ी सजा नहीं देनी चाहिए। कड़ी सजा से आरोपी छात्रों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। युवा होने के नाते उनकी आगे की जिंदगी को कठिनाई में डालना तर्कसंगत नहीं है। दूसरा पक्ष यह है कि रैगिंग के माध्यम से जूनियर छात्रों का शारीरिक और मानसिक शोषण कर उन्हें आत्महत्या के लिए प्रेरित किया जा रहा है। क्या यह एक गंभीर अपराध नहीं है?

ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को यह निर्देश है कि रैगिंग की घटना के लिए संस्थान को जिम्मेदार माना जायेगा। यूजीसी भी प्रति वर्ष विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को पत्र भेजकर रैगिंग रोकने के निर्देश देता रहता है। हर शिक्षण संस्थान दाखिला देने से पहले छात्रों से हलफनामा भी लेता है कि रैगिंग जैसी घटना में शामिल पाये जाने पर उसका दाखिला रद्द कर दिया जायेगा। रैगिंग रोकने हेतु विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में समितियां भी बनायी जाती हैं। ऐसी घटनाएं होने पर संस्थान की मान्यता रद्द करने का प्रावधान भी है। लेकिन इनके बावजूद रैगिंग की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। अब तो यह प्रवृत्ति पब्लिक स्कूलों में भी बढ़ रही है। पिछले दिनों कुछ पब्लिक स्कूलों में भी ऐसी घटनाएं प्रकाश में आयी थीं। हालांकि उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग रोकने के प्रयास होते दिखाई देते हैं, लेकिन पब्लिक स्कूलों के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। कई बार संस्थान ऐसी घटनाओं को छिपाने का प्रयास भी करते हैं। रैगिंग की घटनाओं का छिपाने का प्रयास ठीक वैसा ही है, जैसे बीमार व्यक्ति द्वारा रोग को छिपाने की कोशिश करना। रोग को जितना छिपाया जायेगा, वह उतना ही अधिक बढ़ता जायेगा।

रैगिंग रूपी रोग को रोकने के लिए शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में बेहतर माहौल बनाना होगा। उन्हें छात्रों में व्यावहारिक रूप से नैतिक मूल्य विकसित करने की कोशिश करनी होगी। शिक्षण संस्थान भाषणों में तो नैतिक मूल्यों की बात बहुत करते हैं, लेकिन धरातल पर ऐसा कोई प्रयास होता नहीं दिखता। हमें समझना होगा कि रैगिंग की घटनाएं कानून के बल पर रुकने वाली नहीं हैं। इसके लिए सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा। जो बच्चे रैगिंग की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, उनके अभिभावकों को यह जानने की चेष्टा करनी होगी कि उनके बच्चों में श्रेष्ठता और रौब गालिब करने की भावना क्यों पनप रही है। यदि ऐसे मामलों में अभिभावक हाथ पर हाथ रखकर बैठ गये, तो समस्या और बढ़ेगी।

कुछ वर्ष पूर्व हिमाचल प्रदेश के एक मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के दौरान उन्नीस वर्षीय छात्र अमन काचरू की मौत हो गयी थी। तब अमन के पिता राजेंद्र काचरू ने रैगिंग रोकने और रैगिंग पर कानून बनाने के लिए एक अभियान चलाया था। रैगिंग रूपी सामाजिक अभिशाप को रोकने लिए एक बार फिर ऐसे ही अभियान की जरूरत है। दरअसल कॉलेज के वे शुरूआती साल हम सब की ज़िन्दगी के बेहद खूबसूरत समय, दोस्तियों, व्यक्तित्व विकास की नींव होते हैं। रैगिंग असल में पढाई और व्यक्तित्व विकास के उन स्वस्थ तरीकों और माहौल में बाधा डालती है। यह उम्र और सीनियरटी में बड़े होने का झूठा दम्भ और कुत्सित हरकतों के सामाजिकीकरण को बढ़ावा देती है। मुश्किल है कि रैगिंग करने वाले छात्र भविष्य में इस मानसिकता के साथ एक उत्कृष्ट नागरिक या प्रोफेशनल बन पाएं। इसे बर्दाश्त करना भी सही नहीं हैं क्यूंकि ऐसे में हम ऐसी घटिया सोच को ही बढ़ावा दे रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिरडी पहुंची 'छावा' की टीम, किए साईं बाबा के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

विक्की कौशल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'छावा' 14 फरवरी को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में उन्होंने छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई है। फिलहाल 'छावा' की टीम फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रही है। अब छावा की टीम साई बाबा के दर्शन करने शिरडी पहुंची है। शिरडी में साईं बाबा के दर्शन के लिए कई मशहूर हस्तियां आती हैं। शिल्पा शेट्टी सहित कुछ बॉलीवुड अभिनेता साईं बाबा के दर्शन कर चुके हैं। कुछ दिन पहले कैटरीना कैफ भी अपनी सास के साथ साईं बाबा के दर्शन के लिए शिरडी गई थीं। उन्होंने विक्की की फिल्म की सफलता के लिए प्रार्थना की थी। अब अभिनेता विक्की कौशल और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपनी आगामी फिल्म 'छावा' की सफलता के लिए शिरडी स्थित साईं बाबा मंदिर में दर्शन किए। रश्मिका ने आसमानी रंग का सूट पहना था, जबकि विक्की ने रॉयल ब्लू कलर के कुर्ता-पायजामा में नजर आए। दोनों ने साईं बाबा के चरणों में सिर झुकाया। उन्होंने फिल्म के लिए आशीर्वाद लिया। उन्हें देखने के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ भी जुटी। उनका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फिल्म 'छावा' का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। फिल्म में विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई है। रश्मिका मंदाना महारानी येसुबाई के किरदार में नजर आएंगी। अक्षय खन्ना औरंगजेब की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में आशुतोष राणा, संतोष जुवेकर और डायना पेंटी भी हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी का बेहद गर्मजोशी से किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच यहां हुई वार्ता में अमेरिकी राष्ट्रपति ने मोदी की काफी प्रशंसा की और कई मुद्दों पर भारत के रुख को गंभीरता से समझने की कोशिश की। मोदी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में ट्रंप ने न केवल यह घोषणा की कि उनके प्रशासन ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है बल्कि कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद से भारत के साथ मिलकर लड़ने की भी बात कही। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका एक शैतान को भारत को सौंप रहा है, साथ ही उन्होंने और अधिक कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

अधिकारियों ने कहा कि शुल्क पर अपने सख्त रुख के बावजूद ट्रंप ने भारत के प्रति नरम रुख प्रदर्शित किया और कहा कि भारत अकेले उन व्यापार प्रथाओं के लिए जिम्मेदार नहीं है जो अमेरिकी व्यापार को नुकसान पहुंचाती हैं। ट्रंप ने मोदी को अपना पुराना मित्र बताया और एक सवाल के जवाब में कहा, वह सौदेबाजी में मुझसे कहीं ज्यादा माहिर हैं। इसमें कोई मुकाबला ही नहीं है। दोनों नेताओं के बीच गर्मजोशी भरे संबंध स्पष्ट दिखे और ट्रंप ने कहा कि मोदी भारत में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

ट्रंप ने कहा, हर कोई उनके बारे में बात करता है। वह वाकई शानदार काम कर रहे हैं। वह एक महान नेता हैं। दोनों नेताओं की 'ओवल ऑफिस' में मुलाकात के दौरान ट्रंप ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनसे काफी देर तक हाथ मिलाया और फिर गले मिले। उन्होंने कहा, हमें आपकी बहुत याद आई। उन्होंने मोदी को एक शानदार मित्र और एक बेहतरीन व्यक्ति करार दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने पुस्तक 'अवर जर्नी टुगेदर' में लिखा है, प्रधानमंत्री जी आप महान हैं। ट्रंप ने यह पुस्तक मोदी को भेंट की। ट्रंप ने कहा कि वह अपने मित्र प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, हमने यहां और भारत में बहुत समय बिताया है। वह बेहद खास व्यक्ति हैं। प्रधानमंत्री जी, मुझे आपको वही आतिथ्य प्रदान करने में खुशी हो रही है जो आपने पांच साल पहले मेलानिया (ट्रंप) और मुझे दिया था जब हम आपके खूबसूरत देश की यात्रा पर गए थे। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद मोदी अमेरिका का दौरा करने वाले पहले कुछ विश्व नेताओं में शामिल हैं।

क्या एआई हमें मंदबुद्धि बना रहा है? शोध के अनुसार इसकी आशंका है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिस्बेन। हममें से ज्यादातर लोग एक हद तक ही सोच पाते हैं। बिना कलम और कागज या कैलकुलेटर के 16,951 को 67 से भाग देने की कोशिश करें। पिछले हफ्ते बनाई गई सूची या अपने फोन पर उपलब्ध फेहरिस्त के बिना हफ्ते भर की खरीदारी करने की कोशिश करें। अपने जीवन को आसान बनाने के लिए इन उपकरणों पर निर्भर रहकर हम खुद को अधिक बुद्धिमान बना रहे हैं या मूर्ख? हम अपनी कार्यकुशलता बढ़ने के बावजूद क्या एक प्रजाति के रूप में अज्ञानता के और करीब जाने लगे हैं? यह प्रश्न विशेष रूप से ओपनएआई कंपनी के स्वामित्व वाला एक एआई चैटबॉट 'चैटजीपीटी' जैसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के संबंध में विचार करने के लिए महत्वपूर्ण है, जिसका प्रत्येक सप्ताह 30 करोड़ लोग लेखन के समय उपयोग करते हैं।

'माइक्रोसॉफ्ट' और अमेरिका के कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा हाल ही में लिखे गए एक शोधपत्र के अनुसार, उक्त प्रश्न का उत्तर हां हो सकता है। लेकिन बात इससे कहीं आगे पहुंच चुकी है। शोधकर्ताओं ने मूल्यांकन किया कि उपयोगकर्ता अपनी विश्लेषणात्मक सोच पर एआई के प्रभाव को कैसे समझते हैं। आम तौर पर, विश्लेषणात्मक सोच का संबंध अच्छी तरह से सोचने से होता है। ऐसा करने का एक तरीका यह है कि हम अपनी खुद की विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं को स्थापित मानदंडों और अच्छे तर्कों के आधार पर आंकें। इन मानदंडों में तर्कों की सटीकता, स्पष्टता, गहनता, प्रासंगिकता, महत्व व तार्किकता जैसे मूल्य शामिल हैं। विश्लेषणात्मक सोच की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकने वाले अन्य कारणों में हमारे मौजूदा वैश्विक दृष्टिकोण का प्रभाव, संज्ञानात्मक पूर्वाग्रह तथा अधूरे या गलत मानसिक तंत्रों पर निर्भरता शामिल हैं। हाल ही में किए गए अध्ययन के लेखकों ने अमेरिकी शैक्षिक मनोवैज्ञानिक बेंजामिन ब्लूम और उनके सहयोगियों द्वारा 1956 में पेश की गई विश्लेषणात्मक सोच की परिभाषा को अपनाया है।

तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा : मिसरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत तहव्वुर राणा के आत्मसमर्पण और अमेरिका से उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पर काम कर रहा है। उनका यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति की उस घोषणा के बाद आया जिसमें कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। मिसरी ने बृहस्पतिवार (भारतीय समयानुसार शुक्रवार) को यहां एक पत्रकार सम्मेलन में कहा, यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर अमेरिकी प्राधिकारियों ने बहुत स्पष्ट निर्णय लिए हैं। 'व्हाइट हाउस' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ संयुक्त पत्रकार वार्ता में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी देने की घोषणा की। मुंबई में 26/11 के आतंकवादी हमलों में संलिप्तता का आरोपी राणा भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा वांछित है। राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने की समय-सीमा के बारे में 'पीटीआई-भाषा' द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में मिसरी ने कहा, हम उसके आत्मसमर्पण और भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पर काम कर रहे हैं। कुछ अंतिम चरण पूरे किए जाने हैं। दोनों पक्ष इस विशेष मुद्दे पर संपर्क में हैं। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान जारी भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में कहा गया है कि मोदी और ट्रंप ने इस बात पर पुनः जोर दिया कि आतंकवाद के वैश्विक संकट से लड़ा जाना चाहिए तथा दुनिया के हर कोने से आतंकवादियों के ठिकानों को समाप्त किया जाना चाहिए। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक राणा वर्तमान में लॉस एंजिलिस के एक मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में बंद है। माना जाता है कि वह मुंबई के 26/11 हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जुड़ा है। भारत ने पिछले महीने कहा था कि वह राणा के शीघ्र प्रत्यर्पण के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। हम अब मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी को शीघ्र भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रक्रियागत मुद्दों पर अमेरिका के साथ काम कर रहे हैं। पाकिस्तान के 10 आतंकवादियों के एक समूह ने 26 नवंबर 2008 को अरब सागर के रास्ते मुंबई में घुसने के बाद एक रेलवे स्टेशन, दो आलीशान होटलों और एक यहूदी केंद्र पर समन्वित हमला किया। लगभग 60 घंटे तक जारी रहे इस हमले में 166 लोग मारे गए थे, इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और यहां तक कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति भी बन गई थी।

अनुपम खेर अपनी 544वीं फिल्म में प्रभास के साथ आएंगे नजर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर अभी हाल में कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' में स्वतंत्रता सेनानी जयप्रकाश नारायण की भूमिका में नजर आए। इस फिल्म में उनके अभिनय का दर्शकों ने खूब सराहा। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो पाई। अब, अनुपम खेर ने अपनी 544वीं फिल्म का ऐलान किया है, जिसमें वह सुपरस्टार प्रभास के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। यह दोनों का पहला सहयोग है और इस फिल्म का निर्देशन हनु राघवपुडी कर रहे हैं।

अनुपम खेर ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर प्रभास और फिल्म के निर्माताओं के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कर अपनी 544वीं फिल्म की घोषणा की है। इस फिल्म में वह साउथ के सुपरस्टार प्रभास के साथ नजर आएंगे। उनकी यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं।

इस पोस्ट में अनुपम ने लिखा, भारतीय सिनेमा के एकमात्र बाहुबली प्रभास के साथ अपनी 544वीं फिल्म की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। फिल्म का निर्देशन हनु राघवपुडी है। कमाल की कहानी है और क्या चाहिए जीवन में दोस्तों। जय हो। इस पोस्ट में उन्होंने इस आगामी फिल्म का नाम अभी गुप्त रखा गया है।

अश्लील टिप्पणी करने वाली अपूर्वा को आईफा से किया गया बाहर

जयपुर/एजेन्सी

राजस्थान में पहली बार हो रहे आईफा अवॉर्ड्स से सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा को बाहर कर दिया गया है। इंडियाज गॉट लेटेंट शो में पेरेंट्स पर की गई उनकी अभद्र टिप्पणी को लेकर विवाद गहराने के बाद यह फैसला लिया गया। अपूर्वा मखीजा 20 फरवरी को उदयपुर में आईफा से जुड़े प्री-इवेंट ट्रेजर हंट की शूटिंग करने वाली थीं, लेकिन राजपूत करणी सेना ने इसका विरोध करते हुए चेतावनी दी थी कि अश्लीलता फैलाने वालों को जूते मारेंगे और डबोक एयरपोर्ट पर उतरने ही नहीं देंगे। करणी सेना के संभाग प्रमुख डॉ. परमवीर सिंह दुलावत ने कहा, धर्म, संस्कृति और संस्कारविहीन लोगों को मेवाड़ की धरती पर नहीं आने देंगे। यदि प्रशासन नहीं रुका, तो परिणाम

गंभीर होंगे।

विवाद बढ़ने के बाद आईफा आयोजकों ने अपूर्वा को आधिकारिक प्रचारकों की सूची से हटा दिया। अब वह इस इवेंट से पूरी तरह बाहर हैं। हालांकि, ट्रेजर हंट इवेंट राजस्थान के उदयपुर, जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, भरतपुर, कोटा और जयपुर में जारी रहेगा। इसमें अली फजल, अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना, जयदीप अहलावत जैसे सितारे हिस्सा लेंगे। आईफा अवॉर्ड्स का आयोजन 8-9 मार्च को जयपुर में होगा।

इस दौरान शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, शाहिद कपूर, कृति सेनन, नोरा फतेही जैसे सितारे परफॉर्म करेंगे, और राजस्थान टूरिज्म पॉलिसी भी लॉन्च की जाएगी। इस मामले में कोटा के वकीलों ने समय रैना, रणवीर अलाहबादिया, आशीष चंचलानी और अपूर्वा मखीजा के खिलाफ नयापुरा थाने में अश्लीलता फैलाने का परिवाद दर्ज कराया है। वकीलों का आरोप है कि इस तरह की सामग्री से समाज में नैतिक पतन हो रहा है। अब देखना होगा कि यह विवाद यहीं रुकता है या और तूल पकड़ता है।

अर्जुन कपूर की फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' का नया गाना रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

'मेरे हसबैंड की बीवी' फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और यह इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है। यह फिल्म खास है क्योंकि इसमें पहली बार अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर, और रकुल प्रीत सिंह की तिकड़ी नजर आएगी। फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज कर रहे हैं और यह 21 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने इसका नया गाना 'इक वारी...' जारी किया है, जो इस समय सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना है। 'इक वारी...' गाने में अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर, और रकुल प्रीत सिंह का शानदार डांस देखने को मिला है, जो फिल्म की ऊर्जा को और भी बढ़ा देता है। फिल्म का पहला गाना 'गोरी है कलाइयां...' भी दर्शकों को बहुत पसंद आया था। इस फिल्म में हर्ष गुजराल अर्जुन के दोस्त का किरदार निभा रहे हैं और यह उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म है।

फिल्म 'बजरंगी' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह की भोजपुरी फिल्म बजरंगी का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। यशी फिल्म्स के बैनर तले बनी और निर्माता अभय सिन्हा प्रस्तुत बजरंगी का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में पवन सिंह एक गुरुसैल, दमदार और रौद्र रूप में नजर आ रहे हैं। पवन सिंह ने कहा कि जब जब सीता के दामन पे किसी दुराचारी की नज़र पड़ी है, तब तब बजरंगी ने अपने जान की बाजी लगा दी है। इस फिल्म का निर्देशन रजनीश मिश्रा ने किया है, वहीं, पटकथा और संवाद के साथ संगीत भी खुद रजनीश मिश्रा का हीं है। निर्माता अभय सिन्हा ने कहा कि बजरंगी केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जिसमें नारी सम्मान, न्याय और रिश्तों की ताकत को दिखाया जाएगा। हमारी फिल्म में सबसे खास कहानी होगी, जिसमें पवन सिंह का दमदार और गुरुसैल अवतार, भाई-बहन के रिश्ते पर अनोखी कहानी, एक्शन और इमोशंस का जबरदस्त मिश्रण, सुपरहिट निर्देशक और संगीतकार रजनीश मिश्रा का जादू और बड़े बजट और हाई-लेवल प्रोडक्शन क्वालिटी हाइलाइट्स हैं। बाकी फिल्म का इंतजार कीजिए।

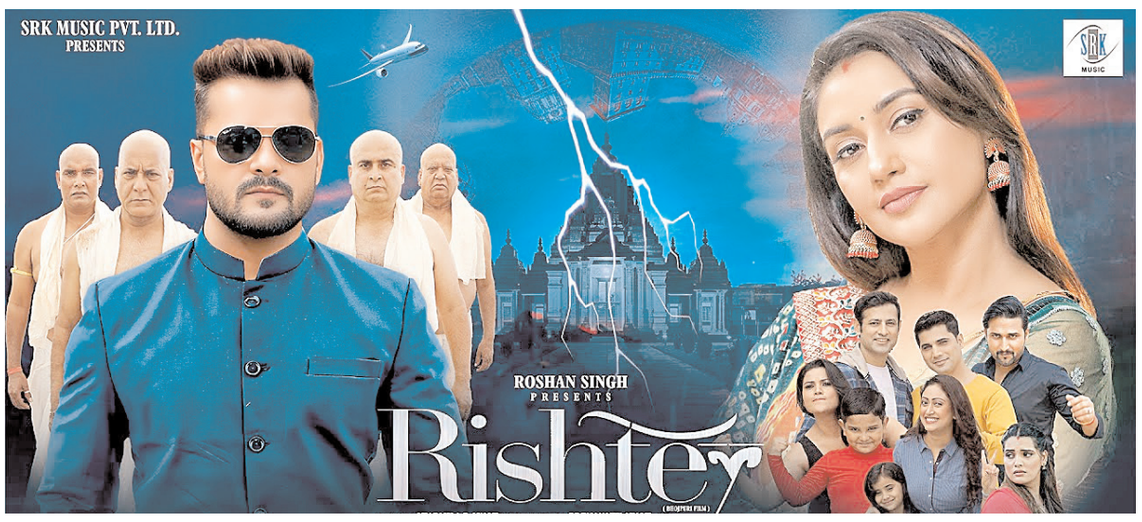

फिल्म 'रिश्ते' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारीलाल यादव और टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री रति पांडेय स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रिश्ते' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। एसआरके म्यूजिक प्रा. लि. के बैनर तले बनी फिल्म रिश्ते का निर्देशन प्रेमांशु सिंह ने किया है। फिल्म के निर्माता शर्मिला आर. सिंह और प्रस्तुतकर्ता रौशन सिंह हैं। फिल्म 'रिश्ते' 14 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

निर्माता रौशन सिंह ने कहा, फिल्म 'रिश्ते' एक ऐसी कहानी पर बनी है, जो हर परिवार से जुड़ती है। इसमें समाज के रिश्तों और उनकी जटिलताओं को बखूबी दिखाया गया है। खेसारीलाल यादव इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन और भावनात्मक दृश्यों में नजर आएंगे। यह फिल्म दर्शकों के दिलों को छूने वाली होगी। वहीं, निर्देशक प्रेमांशु सिंह ने कहा कि 'रिश्ते' सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं, बल्कि इसमें भावनाओं का गहरा समावेश है। यह फिल्म दर्शकों को अपने परिवार और समाज के प्रति नई सोच प्रदान करेगी।

खेसारीलाल यादव और रति पांडेय की केमिस्ट्री भी दर्शकों के लिए बड़ा आकर्षण होगी। फिल्म रिश्ते में खेसारीलाल यादव और रति पांडेय के अलावा आकांक्षा पुरी, विनोद मिश्रा, समर्थ चतुर्वेदी, सुजान सिंह, संजीव मिश्रा, युगांत पाण्डेय, माया यादव, निशा झा, रंभा सहनी, जया पाण्डेय, प्रियांशु सिंह, विजया लक्ष्मी सिंह, दिलीप यादव और सोनू पाण्डेय भी शामिल हैं। इस फिल्म के संगीतकार ओम झा, छोटे बाबा और कृष्णा बेदर्दी हैं।

विरोध

जयपुर में शुक्रवार को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर विरोध मार्च निकाला।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 15-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शुक्रवार को शहर के सर एम. विश्वेश्वरैया मार्ग पर स्थित कुवेंपु रंग मंदिर में सभी जैन संप्रदायों की संयुक्त विशाल धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सोशल मीडिया में ज्ञान के साथ अज्ञान और अमृत के साथ बहुत बड़ी मात्रा में जहर भी परोसा जाता है।

विभिन्न राजस्थानी समाज के प्रतिनिधियों ने किया सांसद लुम्बाराम का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विभिन्न राजस्थानी प्रवासियों द्वारा बेंगलूरु प्रवास पर आए जालोर सिरोही के सांसद लुम्बाराम चौधरी का सम्मान कर्नाटक पटेल भवन में किया गया। इस मौके पर राजपूत, जांगीड, राजपुरोहित, ओंजणा पटेल, देवासी , माली, क्षत्रिय घांची, जैन, प्रजापत, सीरवी, लुहार आदि समाज के प्रतिनिधियों ने सांसद लुम्बाराम का सम्मान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंगलाराम चौधरी, भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ कर्नाटक के महासचिव नरेन्द्र, भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ बेंगलूरु के अध्यक्ष रमेशकुमार, सांवलाराम चौधरी आदि का भी सम्मान किया गया। इस मौके पर विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों ने सांसद से राजस्थान के जालोर सिरोही क्षेत्र में पानी,रेल तथा हवाई अड्डे के लिए निवेदन किया। लुम्बाराम ने बताया कि वे बेंगलूरु से राजस्थान के लिए रेल सेवा, नर्मदा नहर विस्तार, माही बांध एवं आबूरोड रोड हवाई अड्डे स्थापित करने के लिए प्रयासरत हैं। सांसद ने राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से भी मुलाकात की।

मर्यादा और विवेकष्टि के बिना सोशल मीडिया का उपयोग बेहद खतरनाक : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। शुक्रवार को शहर के सर एम. विश्वेश्वरैया मार्ग पर स्थित कुवेंपु रंग मंदिर में सभी जैन संप्रदायों की संयुक्त विशाल धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सोशल मीडिया में ज्ञान के साथ अज्ञान और अमृत के साथ बहुत बड़ी मात्रा में जहर भी परोसा जाता है। जिनके पास विवेकदृष्टि का अभाव हैं, वे अज्ञान को ज्ञान मानकर तथा ज़हर को अमृत समझकर ग्रहण कर रहे हैं और तबाह हो रहे हैं। सोशल मीडिया को प्राप्त कर आबाद होने के ख़याल मूर्खता से अधिक कुछ नहीं हैं। यहां जहां देखो वहां मज़ाक-मस्ती, उद्भट वेशभूषा, फूहड़ता, विजातीय रिश्ते, गंदे नाचगान, जुआ, चोरी, बकवास, मारपीट, बड़ों का अपमान, धूम्रपान, शराब, हुक्का, झूठी बातों का प्रचार, श्रद्धाभ्रष्टता, अंधविश्वास, धर्मविरोध और अपराध, सब-कुछ बेरोकटोक प्रसारित होता है। छोटे-बड़े, स्त्री-पुरुष, बाल-वृद्ध, सभी इसमें मशगूल हैं। ऐसा लगता है कि सामूहिक पागलपन सभी पर सवार है। किसी ने पानी के कुएं ने या जलआपूर्ति में भांग डाल दी है। इस विकट स्थिति में जिनके पास विवेकदृष्टि नहीं हैं, वे इनमें खीर-नीर का भेद समझ भी नहीं पाएंगे। जिन पर किसी का अंकुश नहीं हैं, उन्हें तबाह होने से कौन बचाएगा। यह बहुत खतरनाक परिदृश्य है। कहीं न कहीं से सोशल मीडिया पर लगाम लगनी चाहिए। वरना यह असाध्य रोग परिवारवाद, समाज, धर्म और आखिरकार देश को नष्ट कर देगा।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सोशल मीडिया के इस युग में सभी तरह की सामग्री आपको परोसी जाती है। उस सामग्री का कोई नीति-निर्धारण नहीं है। सोशल मीडिया का कोई भी प्लेटफॉर्म मानवजाति के कल्याण और उसके व्यापक हितों की रक्षा के लिये नहीं बना है। सभी प्लेटफॉर्म अधिक से अधिक ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं। यह उनकी व्यापारिक नीति है। ऐसी स्थिति में कोई भी आपके हित-अहित की चिंता नहीं करेगा। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि सोशल मीडिया का उपयोग करने से पहले मनुष्य के पास अपनी मर्यादा का भान और गहरी विवेकदृष्टि हों। वरना बिना लगाम के घोड़े जैसा यह लुभावना माध्यम किसी को भी बरबाद कर सकता है। आज यही हो रहा है। शुक्रवार को सुबह में भगवान महावीर भवन में साधना के मार्गदर्शन और संगीतमय मंत्रजाप का विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। तेरापंथ समाज के निवेदन पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी मध्याह्न तेरापंथ सभा भवन पहुंचे, वहां धर्मसभा में जैनाचार्य ने संगठन, संस्कार और सदाचार पर अपने विचार प्रस्तुत किए। राजस्थान-गुजरात के सभी अप्रवासी समाजों के प्रतिनिधियों की एक बैठक भी जैनाचार्य के सान्निध्य में शाम को महावीर भवन में आयोजित हुई। रात्रिकालीन ज्ञानसत्र में युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए गणि पद्मविमलसागरजी ने जीवन में मित्रों की भूमिका और उपयोगिता पर तलस्पर्शी विवेचना की।

राजाजीनगर तेरापंथ भवन में साधकों ने सीखे अनेक योग आसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित फिट युवा हिट युवा के अन्तर्गत फोकस व जर्नी पहल के तहत तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा तेरापंथ भवन में सकल समाज के साथ योग शिविर का द्वितीय दिवस का आयोजन किया जिसमें योग प्रशिक्षक उत्तमचंद गन्ना द्वारा 26 प्रतिभागियों को कायोत्सर्ग, सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, पर्वत आसन आदि विभिन्न प्रकार के आसनों सिखाए गए।

इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, जयंतीलाल गांधी, विनोद कोठारी, मुकेश नाहर, किशोर मण्डल, महिला मण्डल सदस्य आदि की उपस्थिति रही।

मंत्री ने कहा, 'फोन टैपिंग पर मुख्यमंत्री भजनलाल को सदन में जवाब देने की आवश्यकता नहीं'

जयपुर। राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बृहस्पतिवार को कहा कि जब मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने खुद बता दिया है कि उनका फोन टैप नहीं हुआ तो मुख्यमंत्री को इस मुद्दे पर सदन में जवाब देने की कोई आवश्यकता ही नहीं है। विपक्षी कांग्रेस फोन टैपिंग विवाद पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से विधानसभा में जवाब देने की मांग कर रही है। बेढ़म ने कहा, जब किरोड़ी लाल मीणा यह कह रहे हैं कि मेरा फोन टैप नहीं हुआ तो सदन में जवाब देने की आवश्यकता कहां है? मैंने गृह राज्यमंत्री के रूप में कहा है कि हमारी सरकार किसी विधायक या मंत्री का फोन टैप नहीं कराती है। उन्होंने कहा कि फोन टैपिंग कांग्रेस की संस्कृति है। मंत्री ने कहा कि विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर मुख्यमंत्री शर्मा ने जोरदार जवाब दिया, जिससे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 'तिलमिला' गए हैं। बेढम ने गहलोत के बयान को आधारहीन बताया। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने मीणा के फोन टैपिंग के आरोपों को लेकर बृहस्पतिवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और कहा कि अनुमति के बिना अगर मीणा का फोन टैप किया गया है तो राज्य सरकार ने अपराध किया है।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जयनगर से विहार कर हनुमंतनगर स्थित नाहर निवास पर पहुंचे मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वप्रथम मूलचंद नाहर द्वारा दक्षिण में पधारने की भावना रखी गई। हनुमंतनगर सभा परिवार द्वारा मूलचंद मुकेश विकास नाहर परिवार का सम्मान किया। अध्यक्ष गौतम दक ने सभी का स्वागत किया। सहमंत्री महावीर देरासरिया, अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेयुप अध्यक्ष कमलेश झाबक, पूर्व अध्यक्ष महावीर चावत, सभा मंत्री हेमराज मांडोत आदि ने गुरु दर्शन किया ।

कला उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मंजूनाथ विद्यालय द्वारा विजयनगर स्थित कासिया भवन में वार्षिकोत्सव कलोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने बच्चों को पुरस्कृत किया। विद्यालय के प्राचार्य नागराज ने मुणोत का सम्मान किया।

बेंगलूरु में शुक्रवार को एयरो इंडिया के अंतिम दिन येलहंका एयरफोर्स स्टेशन पर विमान का प्रदर्शन देखते आगंतुक।

जेवाईएस ने विधायक गुंडूराव से की मुलाकात

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन युवा संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने आगामी 10 अप्रैल को भगवान महावीरस्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव के आयोजन के लिए फ्रीडम पार्क उपलब्ध करवाने के लिए क्षेत्र के विधायक दिनेश गुंडूराव से मुलाकात कर फ्रीडम पार्क उपलब्ध कराने का निवेदन किया।

अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, मंत्री नीरज कटारिया, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, कोषाध्यक्ष सन्तोष डूंगरवाल, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिन्वेसरा , सेवा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष कमल पुनमिया, विशेष अतिथी चेयरमैन समिति के चेयरमैन मोती गोटावत, सहचेयरमैन मनोज नन्दावत, रितेश पामेचा आदि उपस्थित थे।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7.65 अरब डॉलर बढ़कर 638.26 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात फरवरी को समाप्त सप्ताह में 7.65 अरब डॉलर बढ़कर 638.26 अरब डॉलर हो गया।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया, यह लगातार तीसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। 31 जनवरी को समाप्त सप्ताह में यह 1.05 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 630.607 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया था। रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद के लिए आरबीआई के विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन के कारण हाल ही में भंडार में गिरावट का रुख रहा था। इससे पहले सितंबर 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.885 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। अरबीआई की ओर से जारी आंकड़ों अनुसार, सात फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 6.42 अरब डॉलर बढ़कर 544.11 अरब डॉलर हो गईं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com